



# भारत का गजट

## The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]  
No. 22]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 28, 1977/ज्येष्ठ 7, 1899  
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 28, 1977/JYAISTHA 7, 1899

इस भाग में मिला पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

### PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गये साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

### गृह मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली, 5 मई, 1977

स।० का।० नि० 681—विधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार तथा पदेन जन-गणना आयुक्त का कार्यालय (मानचित्र अधिकारी) श्रेणी 1 भर्ती नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम भारत के महापंजीकार और पदेन जनगणना आयुक्त का कार्यालय (मानचित्र अधिकारी) श्रेणी 1 भर्ती (संशोधन) नियम 1977 होगा।

(2) ये आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारत के महापंजीकार और पदेन जनगणना आयुक्त का कार्यालय (मानचित्र अधिकारी) श्रेणी 1 भर्ती नियम, 1968 (जिन्हें इसके बाद उक्त नियम कहा जाएगा) के नियम 3 के परन्तुक को निकाय दिया जाएगा।

3. उक्त नियमों के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियमों को प्रतिस्थापित किया जाएगा; अर्थात्—

"4. निरर्हताएं:—बहु व्यक्ति

(क) जिनमें ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करना तय किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिनमें अपने पति/पत्नी के जीवित होने हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करना तय किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु इस सम्बन्ध में यदि केन्द्रीय सरकार का समझाना हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार का लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।"

1. उक्त नियमों के विषय 5 के बाद निम्नलिखित नियम प्रस्तुत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सन्ध में समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और विशेष प्रकार के अभ्यासियों के लिए उपबंध करना प्रोक्षित है।”

2. उक्त नियमों के साथ संलग्न सारणी के स्तंभ पर निम्नलिखित सारणी प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद है या अप्रवरण	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक व अन्य ग्रहंसां
1	2	3	4	5	6	7

मानचित्र अधिकारी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 1 (राज-पत्रित) अनुसूचितीय	1100-50-1600 रु०	प्रवरण	40 वर्ष से अनधिक (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट होगी)	<p>(1) किसी सामान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से भूगोल या उसके संबद्ध विषय में द्वितीय श्रेणी में एम० ए० की उपाधि। (भौगोलिक और सांख्यिकीय मानचित्रों के संकलन, आरेखन और पुनर्निर्माण की पद्धति, चार्ट और डायग्राम बनाने में उच्चतम प्रवीणता वाले उम्मीदवारों के लिए छूट होगी)</p> <p>(2) आरेखन और मुद्रण को सम्मिलित करते हुए मानचित्र बनाने के विभिन्न संक्रियाओं की जानकारी के साथ किसी प्रख्यात मानचित्र प्रकाशन कार्यालय में उच्चशैक्षणिकपूर्ण हैमियत में 3 वर्ष का अनुभव।</p> <p>(3) व्यावहारिक मानचित्रकारी में 2 वर्ष का अनुभव (अन्यथा सुप्रसृतता प्राप्त अभ्यासियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर छूट दी जा सकेगी)</p>
------------------	---	---	------------------	--------	---	--

शैक्षणिक : (1) फोटोग्राफी का पर्याप्त ज्ञान, (2) अधिसामान्यतः मानचित्रकारी के बारे में अनुसंधान प्रकाशन (3) सांख्यिकीय पद्धतियों और आर्थिक सांख्यिकी का ज्ञान, (4) भूगोल या उसके संबंधित विषय में डाक्टरी की उपाधि।

8	9	10	11	12	13
क्या सीधी भर्ती के परिणामों की लिए निर्धारित आयु अथवा शैक्षिक अर्हताएं कोई हों पदोन्नति होने वाले व्यक्तियों पर लागू होंगी	भर्ती की पद्धति, क्या सीधी भर्ती द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा की जाएगी और विभिन्न पद्धतियों से को जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा की जाती हो तो कितने प्रेडों से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो, तो उसका गठन क्या है	भर्ती करने के लिए कितने परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है	
लागू नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण; जयस मंडल लोक सेवा आयोग की परामर्श से किया जाएगा, ऐसा न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण केन्द्र या राज्य सरकारों के अधीन समतुल्य पदों पर कार्यरत अधिकारी या 700-1300 रु० (सर्वाधिक) के वेतनमान में या समकक्ष पद पर 5 वर्ष की सेवाअधि होने ऐसे अधिकारी जिनके पास कालम 7 में सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित अर्हताएं हों। भारत के महापंजीकरण के कार्यालय के ऐसे अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के मामलों में भी विचार किया जाएगा जिनका उक्त प्रेड में पांच वर्ष की नियमित सेवाअधि हो। यदि अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) को उक्त पद पर नियुक्ति के लिए चुना गया तो यह समझा जाएगा कि पद पदोन्नति द्वारा भरा गया है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि प्रसामान्यतः 3 वर्ष से अनधिक)	लागू नहीं	स्तंभ 10 के साथ पठित संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन यथावश्यक है।

[सं 3/12/75-प्रशा—II]

बंदी नाथ, उप महापंजीकार और पवन उप सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Office of the Registrar General, India)

New Delhi, the 5th May, 1977

**G.S.R. 661.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Office of the Registrar General and ex-officio Census Commissioner (Map Officer) Class I Recruitment Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Registrar General and ex-officio Census Commissioner (Map Officer) Class I Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 3 of the Office of the Registrar General and ex-officio Census Commissioner (Map Officer) Class I Recruitment Rules, 1968 (hereinafter referred to as the said rules), the proviso shall be omitted.

3. For rule 4 of the said rules the following rule shall be substituted, namely :—

## "4. Disqualifications : No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

4. After rule 5 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

"6. Saving.—Nothing in these rules, shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

5. For the Schedule annexed to the said rules, the following Schedule shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Map Officer	1	General Central Service Class I (Gazetted) Non-Ministerial	Rs. 1100-50-1600	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants).	Essential: (i) At least 2nd Class Master's degree in Geography or allied subject of a recognised University (Relaxable in case of candidates showing high proficiency in the compilation, drawing and reproduction methods of geographical and statistical maps, charts and diagrams). (ii) 3 years' experience in responsible position in a map publication office of standing with knowledge of different operations of production of maps including drawing and printing. (iii) Two years' experience in applied Cartography. (Qualifications relaxable at Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable: (i) Adequate knowledge of Photogrammetry. (ii) Research publications, preferably on Cartography. (iii) Knowledge of statistical methods and economic Statistics. (iv) Doctorate in Geography or allied subject.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	Promotion/transfer on deputation; the selection being made in consultation with the Union Public Service Commission, failing which by direct recruitment.	Promotion/transfer on deputation ; Officer under the Central/ State Governments holding analogous posts or with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 (Revised) or equivalent and possessing	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulation, 1958 read with Column 10.	

8

9

10

11

12

13

the qualifications prescribed for direct recruits in column 7. Research Officer (Map) in the Office of the Registrar General, India, with 5 years' regular service in the grade will also be considered. In case the Research Officer (Map) is selected for appointment to the post, it will be treated as having been filled by promotion. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).

[No. 3/12/75-Ad.1]

BADRI NATH, Dy. Registrar General and  
ex-officio Dy. Secy.

विस्त मंत्रालय

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 28 मई, 1977

सीमा-शुल्क

सां.कां.निं. 662.—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क, अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 204 सीमा-शुल्क तारीख 2 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में द्वितीय परन्तुक के खंड (2) में निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) यह कि माल-मरम्मत के लिए विदेश को निर्यात किए जाने की तारीख से एक वर्ष या ऐसे बढ़ाए गए समय के भीतर पुनः आयात कर लिया जाता है जो सीमा-शुल्क कलक्टर प्रत्येक मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अनुमान करें।”

[सं. 65 कां. सं. 355/162/76-सीं. शुं. 1]

एम. जयरामन, अधर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue &amp; Banking)

(Revenue Wing)

New Delhi, the 28th May, 1977

CUSTOMS

G.S.R. 662.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 204—Customs dated the 2nd August, 1976. namely:—

In the said notification, for clause (2) of the second proviso, the following clause shall be substituted namely:—

“(2) that the goods have been reimported within one year of the date of their exportation abroad for

repairs or within such extended time as the Collector of Customs may, having regard to the circumstances of each case, allow;”

[No. 65 F. No. 355/162/76-Cus.1]

M. JAYARAMAN, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

(Central Boilers Board)

New Delhi, the 7th May, 1977

G.S.R. 663.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry, Department of Industrial Development, New Delhi.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Indian Boiler (..... Amendment) Regulations, 1977.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in the list of “Well-known Steel Makers”, in Appendix ‘G’, the following shall be added at the end, namely:—

“68. M/s. Nippon Steel Corporation, 6-3, Otemachi 2-Chome, Chiyodaku, Tokyo, Japan.

69. M/s. Thyssen Henrichshutte Aktiengesellschaft Postfach 360, 432 Hattingen, Brucher strasse, West Germany.”

[F. No. 8(10)/70-Boilers]

S. C. DEY, Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 2 मई, 1977

सां०का०वि० 684—संविधान के अनुच्छेद 309 के पन्नुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा जवाहरलाल स्नाकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में वर्ग 'ब' के कतिपय पदों की विधि को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ:—1. इन नियमों का नाम जवाहरलाल स्नाकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी (वर्ग 'ब' पद) नियमावली, 1977 है।

2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकरण तथा बेतनमान:—पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा बेतनमान वही होंगे जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 3 से 5 में निर्दिष्ट है।

4. भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएं तथा अन्य बातें वही होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 13 में निर्दिष्ट है।

5. अनर्हता: कोई व्यक्ति—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका पति या पत्नी जीवित हो, अथवा (ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है, सेवा में नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूमेरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुमोदित है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. छूट देने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ वह लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

7. व्याप्ति:—इस संबंध में केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना अपेक्षित है उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

जवाहरलाल स्नाकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में वर्ग 'ब' के पद के भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	पद सेलेक्शन है अथवा नान-सेलेक्शन	सोझो भर्ती के लिये आयु सीमा	सोझो भर्ती के लिये अर्हताएं तथा अन्य अर्हताएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
वरिष्ठ मेहतर	10	वर्ग 'ब', अनुसूचिकीय अराजपक्षित	210-4-250-द०री० 5-270-रूपये	नयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

यदि पदोन्नति से रज्जे जाने वाले उम्मीदवार के मामले में प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षिक अर्हताएं लागू होंगी	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई है	भरती का तरीका सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा अथवा स्थानान्तरण के द्वारा तथा प्रविष्ट तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में बड़ ग्रेड जिस से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका क्या गठन है	परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती के लिए संघीय लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाता है
---	------------------------------	---	--	---	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	मेहतर, इस ग्रेड में 10 वर्ष की सेवा वाले मेहतर/सफाई कर्मचारी और फराफ़।	विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित अधिकारी होंगे:— 1. प्राधानाचार्य—अध्यक्ष 2. चिकित्सा अधीक्षक/ वरिष्ठतम प्रोफेसर— सदस्य 3. उप-निदेशक (प्रशासन) प्रशासन अधिकारी— सदस्य	लागू नहीं होता

[सं० ए० 12018/9/76-जी (सां० से० महा० वि०)]

के० सी० कपूर, ईस्क अधिकारी

## MINISTRY OF HEALTH &amp; FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 2nd May, 1977

**G.S.R. 664.**—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group D posts in the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry (Group D posts), Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications

and other matters relating thereto shall be as specified in column 6 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Recruitment rules for senior Sweepers in Jawaharlal Institute of postgraduate medical education & research Pondicherry—605006.

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Sweepers	10	Group 'D' Non-Ministerial. Non-Gazetted.	Rs. 210-4-250-EB-5-270.	Selection.	Not applicable.	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer, percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years	By promotion	Sweepers, Sweeper/Scavengers and Farashes having 10 years' service in the grade.	Departmental Promotion Committee consists of:— 1. Principal—Chairman. 2. Medical Superintendent/Senior most Professor—Member 3. Deputy Director (Administration)/Administrative Officer—Member	Not applicable.

[No. A. 12018/9/76-G (DGHS)]  
K.C. KAPOOR, Desk Officer

मई बिल्ली, 6 मई, 1977

सं० का० वि० 665.—श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में श्रीर संशोधन करने के लिए कनिष्ठ नियमों का एक प्रारूप श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 13 की धारानुसार, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० वि० 86(अ) तारीख 18 फरवरी, 1976 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (1), तारीख 18 फरवरी, 1976 के पृष्ठ 338 में 350 पर उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है, उस तारीख से, जिसको राजपत्र की वे प्रतिदा जनता को उपलब्ध करायी जाती हैं जिनमें उचित अधिसूचना प्रकाशित हुई है, तीन मास के समाप्त होने से पूर्व आपत्तियों और सुझाव मांगे गए थे;

श्रीर उक्त राजपत्र जनता को 24 फरवरी, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था;

श्रीर उक्त प्रारूप पर जनता से जो भी आपत्तियाँ और सुझाव प्राप्त हुए हैं, उन पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 12 और 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार जो श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री विधम 1945 में तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात्, निम्नलिखित नियम बनायी है, अर्थात्—

1. (1) उक्त नियमों का नाम श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री (प्रथम संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में

(1) नियम 67-क में, उपनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

(3) यदि मूल अनुज्ञप्ति या तो विरूपित हो गई है, बिगाड़ी गई है या खो गई है तो उसकी दूसरी प्रति एक रुपया पच्चीस पैसे फीस का संचाय करने पर दी जाएगी।

(2) नियम 96 में, उपनियम (1), खंड (चार) में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“टिप्पण—

(1) मैगनीशियम सल्फेट श्रीषधि रसायनों आदि के विनिर्माण जैसी सतत प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित श्रीषधियों की वशा में, तैयार उत्पादों के एक सामांगी मिश्र में परिणत होने वाला उत्पादन एक ‘धान’ माना जाएगा।

(2) कृष्ण, द्रव मुख्य श्रीषधियों, सलहमों आदि की वशा में एक सामांगी प्रकार से भरे गए सभी आधानों को एक ‘धान संख्या’ समनुविष्ट की जाएगी।

(3) टैब्लेटों, कैप्सूलों, साजेन्जों, गोमियों आदि की वशा में दाबी जाने या भरी जाने के लिए तैयार एक सामांगी मिश्र से विनिर्मित उत्पादों की एक ‘धान संख्या’ समनुविष्ट की जाएगी।

(4) दाब के अधीन भाप द्वारा निर्मित आन्तर निर्मितियों की वशा में एक सामांगी प्रकार धोल से भरे गए और एक निर्जमिक लोड में जमित सभी आधानों को एक ‘धान संख्या’ समनुविष्ट की जाएगी।

(5) एक सामांगी प्रकार धोल से भरे गए और एक से अधिक जमिक लोडों से जमित आन्तर निर्मितियों के आधानों की वशा में, विभिन्न जमिक लोडों में के आधानों को समनुविष्ट

‘धान संख्या’ वही ‘धान संख्या’ होगी जो सामांगी प्रकार धोल को समनुविष्ट की गई है परन्तु यह तब जब कि सभी निर्जमिक लोडों से लिए गए नमूने रोगाणुहीनता परीक्षण पारित कर थे तथा उन्हें तब तक एक दूसरे से पृथक रखा जाए जब तक कि रोगाणुहीनता परीक्षण की रिपोर्ट उपलब्ध न हो जाए।

स्पष्टीकरण: रासायनिक और अन्य परीक्षणों के प्रयोजन के लिए सामांगी प्रकार धोल से भरे गए सभी आधानों में से प्रतिनिधि नमूने लिए जाने चाहिए।

(6) प्रयुक्त रूप में भरे गए आन्तर और अन्य निर्जम उत्पादों की वशा में, एक भरण संक्रिया के दौरान एक सामांगी मिश्र से भरे गए सभी आधानों को एक ‘धान संख्या’ समनुविष्ट की जाएगी और भरण संक्रिया एक दिन से अधिक की अवधि में पूरी कर ली जाएगी और उसके दौरान भरण समुच्चय (असेम्बली) में कोई अनुसूचित परिवर्तन नहीं किया जाएगा। जब आधानों को एक सामांगी मिश्र से अनेक भरण संक्रियाओं में भरा गया हो तब अलग-अलग भरण संक्रियाओं से भरे गए आधानों को समनुविष्ट धान संख्या वही ‘धान संख्या’ होगी जो सामांगी मिश्र को समनुविष्ट की गई है परन्तु यह तब जब कि सभी विभिन्न भरण संक्रियाओं से लिए गए नमूने रोगाणुहीनता परीक्षण पारित कर थे तथा तब तक एक दूसरे से पृथक रखा जाए तब तक कि रोगाणुहीनता परीक्षण की रिपोर्ट उपलब्ध न हो जाए।

स्पष्टीकरण: रासायनिक और अन्य परीक्षणों के प्रयोजनों के लिए सामांगी मिश्र से भरे हुए सभी आधानों में से प्रतिनिधि नमूने लिए जाएंगे।

(7) संक्रियण की सतत प्रक्रिया द्वारा उत्पादित श्रीषधि गैसों की वशा में एकटैक लोड से एक सप्ताह के उत्पादन को एक ‘धान’ माना जाएगा।

(3) नियम 124-क के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

‘124-ख’ पेटेंट और सांघतिक श्रीषधियों के मानक—पेटेंट और सांघतिक श्रीषधियों के मानक वे ही होंगे जो अनुसूची ‘क’ में दिए गए हैं और ऐसी श्रीषधियाँ अधिनियम की दूसरी अनुसूची में दिए मानकों का अनुपालन भी करेंगी।

(4) अनुसूची क में,—

(1) प्रारूप 20-ग में, अनुज्ञप्ति की शर्तें—शीर्षक के नीचे, मध 4 के पश्चात् निम्नलिखित मध जोड़ी जाएगी अर्थात्—

(क) जहाँ फार्म के गठन में कोई परिवर्तन हो जाना है वहाँ, अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञापन प्राधिकारी को उसके बारे में लिखित सूचना देगा और चालू अनुज्ञप्ति उस तारीख से जिसको परिवर्तन होता है, केवल तीन मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी, जब तक कि उस बीच अनुज्ञापन प्राधिकारी से, परिवर्तन गठन वाली फार्म के नाम में नई अनुज्ञप्ति न ले ली गई हो;

(2) प्रारूप 20-ब में, अनुज्ञप्ति की शर्तें—शीर्षक के नीचे, मध 3 के पश्चात् निम्नलिखित मध जोड़ी जाएगी, अर्थात्—

(4) अनुज्ञप्तिधारी, अनुज्ञप्ति के अधीन क्रियाशील फार्म के गठन में कोई परिवर्तन होने की वशा में, अनुज्ञापन प्राधिकारी को लिखित सूचना देगा और चालू अनुज्ञप्ति उस तारीख से, जिसको परिवर्तन होता है, केवल तीन मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगी, जब तक कि इस बीच अनुज्ञापन प्राधिकारी से



परिवर्तन गठन वाली फर्म के नाम में नई अनुज्ञप्ति न ले ली गई हो—

(v) अनुसूची ट में प्रथम स्तम्भ में, औषधियों का वर्ग—शीर्षक के नीचे, प्रविष्टि 10(ii) में 'लेक्टोम' शब्द लुप्त कर दिया जाएगा।

(vi) अनुसूची प के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

“अनुसूची-क

[नियम 124—‘ख’ देखिए]

पेटेंट या सांपत्तिक औषधियों के मानक

1. विघटन के वे परीक्षण जिनका पेटेंट या सांपत्तिक औषधियों के टेबलेट के रूप में विनिर्माताओं द्वारा अनुमानित किया जाएगा।

(i) ऐसी पेटेंट या सांपत्तिक औषधि, जिसका टेबलेट के रूप में विपणन किया जाता है और जो पूरी की पूरी निगले जाने के लिए आशयित है, जब उस पर यह परीक्षण किया जाए तो न्यूनतम प्रबल इष्टित फार्माकोपिया के चालू संस्करण में विहित है, अधिक से अधिक 30 मिनट में, यदि उस पर कोई कोटिंग नहीं है तो और यदि उस पर शूगर की कोटिंग है या किसी फिल्म की कोटिंग है तो अधिक से अधिक 60 मिनट में, विघटित हो जानी चाहिए।

(ii) यदि पैरा (i) में निविष्ट टेबलेट पर कोई आन्त कोटिंग है या उसी उद्देश्य के लिए अभिकल्पित कोई अन्य कोटिंग है तो उसे जठरीय रस में तीन घंटे तक बुझाने पर विघटित नहीं होना चाहिए किन्तु अनुकारी आन्त रस में अगले एक घंटे में अवश्य विघटित हो जाना चाहिए :

परन्तु यदि कोई विनिर्माता ऐसी टेबलेट विनिर्मित करना चाहता है जिसका विघटन समय ऊपर विहित समय से अधिक हो तो उसे ऐसी टेबलेटों में विपणन के लिए अनुज्ञा दिए जाने से पूर्व, पर्याप्त कारण बताते हुए अनुज्ञापन प्राधिकारी को आवेदन करना पड़ेगा :

परन्तु यह और कि अनुवाहित निर्मुक्त टेबलेटों या निविष्ट टेबलेटों या चूसी जाने वाली टेबलेटों या पशुओं के प्रयोग में जाने वाली टेबलेटों के रूप में विपणन की जाने वाली पेटेंट या सांपत्तिक औषधियों के लिए ऊपर बताए गए विघटन परीक्षण के अनुरूप होना जरूरी नहीं है।”

[सं० एक्स 11014/2/77-डी एण्ड एम एस]

जी० पंचायकेशन, अवर सचिव

New Delhi, the 6th May, 1977

**G.S.R. 665.**—Whereas certain draft rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, were published, as required by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 331 to 350 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 18th February, 1976, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 86(E), dated the 18th February, 1976 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of three months from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 24th February, 1976;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

27 GI/77—2

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely:—

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (First Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. (i) in rule 67-A, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(3) If the original licence is either defaced, damaged or lost, a duplicate copy thereof may be issued on payment of a fee of one rupee and twenty-five paise”;

(ii) in rule 96, in sub-rule (1), to clause (v), the following shall be added, namely:—

“NOTE

(1) In the case of drugs manufactured by a continuous process, like manufacture of magnesium sulphate, pharmaceutical chemicals etc., the production resulting in one homogeneous mix of the finished products shall be considered as one “Batch”.

(2) In the case of powders, liquid orals, ointments, etc., one “Batch Number” shall be assigned to all the containers filled from one homogeneous bulk.

(3) In the case of tablets, capsules, lozenges, troches, etc., one “Batch Number” shall be assigned to the products manufactured from one homogeneous mix ready for compression or filling.

(4) In the case of parenteral preparations sterilized by steam under pressure, one “Batch Number” shall be assigned to all containers filled from one homogeneous bulk solution and sterilized in one sterilizer load.

(5) In the case of containers of parenteral preparations filled from one homogeneous bulk solution and sterilized in more than one sterilizer load, the “Batch Number” assigned to the containers in the different Sterilizer loads shall be the same “Batch Number” as is assigned to the homogeneous bulk solution, provided the samples taken from all the sterilizer loads pass the sterility test, and are kept separate from one another until the report of the sterility test is available.

**EXPLANATION:—**For the purpose of chemical and other tests, representative samples from all containers filled from the homogeneous bulk solution should be taken.

(6) In the case of parenteral and other sterile products filled aseptically, a “Batch Number” shall be assigned to all containers filled from one homogeneous mix during one filling operation, the filling operation being completed in a period of not more than a day and during which no scheduled change in the filling assembly is made.

When containers are filled from one homogeneous mix, in a number of filling operations, the “Batch Number” assigned to the containers filled in individual filling operations shall be the same “Batch Number” as is assigned to the homogeneous mix, provided the samples taken from all the different filling operations pass the sterility tests, and are kept separate from one another until the report of the sterility test is available.

**EXPLANATION:—**For the purpose of chemical and other tests, representative samples from all containers filled from the homogeneous mix should be taken.

(7) In the case of medicinal gases produced by a continuous process of operation a week's production from one tank load shall be considered as Batch”;

(iii) after rule 124-A, the following rule shall be inserted, namely :—

“124-B. Standards for patent or proprietary medicines :—  
The standards for patent or proprietary medicines shall be those laid down in Schedule V and such medicines shall also comply with the standards laid down in the Second Schedule to the Act”;

(iv) in Schedule A—

(i) in Form 20-C, under the heading ‘Conditions of licence’, after item 4, the following item shall be inserted, namely :—

“(5) Where any change in the constitution of the firm takes place, a licensee shall inform the Licensing Authority in writing about the same and the current licence shall be valid only for a period of three months from the date on which the change takes place unless, in the meantime, a fresh licence has been taken from the Licensing Authority in the name of the firm with the changed constitution.”

(ii) in Form 20-D, under the heading ‘Conditions of Licence’, after item 3, the following item shall be inserted, namely :—

“(4) The licensee shall inform the Licensing Authority in writing in the event of any change in the constitution of the firm operating under the licence and the current licence shall be valid only for a period of three months from the date on which the change takes place unless, in the meantime, a fresh licence has been taken from the Licensing Authority in the name of the firm with the changed constitution.”;

(v) in Schedule K, in the first column, under the heading “Class of Drugs”, in entry 10(ii) the word “Lactose” shall be omitted ;

(vi) after Schedule U, the following Schedule shall be inserted, namely :—

#### “SCHEDULE V

[See rule 124-B]

#### Standards for patent or proprietary medicines

1. Test for disintegration to be complied with by the manufacturers of patent or proprietary medicines in the form of tablets :

(i) A patent or proprietary medicine, marketed in the form of a tablet and intended to be swallowed as a whole, when subjected to a test as prescribed in the current edition of the Indian Pharmacopoeia for the time being in force, shall disintegrate in not more than thirty minutes, if it is not coated and in not more than 60 minutes, if it is sugar coated or film coated.

(ii) In case the tablet referred to in paragraph (i) has an enteric coating or a coating designed to have a similar purpose, it shall not disintegrate when immersed in simulated gastric juice for three hours but shall disintegrate in simulated intestinal juice in another one hour :

Provided that in case any manufacturer wants to manufacture tablets whose disintegration time may be longer than that prescribed above, he shall apply to the Licensing Authority giving sufficient reasons before permission to market such tablets may be granted ;

Provided further that the patent or proprietary medicines marketed as sustained release tablets, vaginal tablets or tablets meant to be sucked or chewed or tablets meant for veterinary use, shall not be required to conform to the test for disintegration mentioned above”.

[No. X 11014/2/77-D&MS]

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

### कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1977

सां. कां. निं. 666.—राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि विभाग के अधीन अधिल भारतीय मृदा और भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन में सहायक मृदा रसायनज्ञ के पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अधिल भारतीय मृदा और भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन (सहायक मृदा रसायनज्ञ) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएँ आदि.—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति आयु सीमा, अर्हताएँ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएँ.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूब है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन के छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
सहायक मृदा रसायनज्ञ	4	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	700-40-900-६० रो० 1100-50-1300 रुपये	चयन	35 वर्ष (सरकारी सेवकों के शिथे शिथिल की जा सकती है) टिप्पणः—आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक : (i) एम० एम० सी० की उपाधि या मृदा विज्ञान और कृषि रसायनज्ञ में भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान का एसो-सिस्टेंट, या मृदा रसायन शास्त्र विश्वविद्यालयक रसायन शास्त्र में विशेष योग्यता सहित रसायन शास्त्र में एम० एल० सी० की उपाधि (ii) मृदा और जल विश्लेषण में 3 वर्ष का अनुभव (अर्हताएँ अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषतः अनुसूच सम्बन्धी अर्हता अनुसूचित जातियों जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में, उनके लिये आरक्षित पदों के लिये शिथिल की जा सकती हैं।

वांछनीय:

रसायन विश्लेषण की आधुनिक तकनीकी का ज्ञान।

सीधे भर्ती किये जाने परीक्षा की वासे व्यक्तियों के लिये अवधि यदि कोई विहित आयु और हो शैक्षिक अर्हतायें प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती की सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रति- नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
---	--	---	--	--

8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं शैक्षिक अर्हतायें—हां	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति: ऐसे अनुसन्धान सहायक जिनके पास बी० एस० सी० की जगति हो, जिसमें एक विषय मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान या रसायन विज्ञान रहा हो, और जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के उपरान्त 5 वर्ष सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी जो नियमित आधार पर नियुक्ति पर समतुल्य पदधारण करते हों (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामा- न्यता 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे— 1. संयुक्त सचिव प्रशासन-अध्यक्ष 2. प्रभाग के संयुक्त सचिव-सदस्य 3. प्रभाग के तकनीकी प्रधान- सदस्य 4. अखिल भारतीय मृदा और भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन का प्रधान सदस्य	सीधी भर्ती करने में समय या सीधी भर्ती किये गये व्यक्तियों के पुष्टि- करण के मामले में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

[सं० 1-13/76-भूमि (1)]

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 30th April, 1977

**G.S.R. 666.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Soil Chemist in the All India Soil and Land Use Survey Organisation, under the Department of Agriculture, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the All India Soil and Land Use Survey Organisation (Assistant Soil Chemist) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, its classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,  
shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Assistant Soil Chemist	4	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Selection	35 years (Relaxable for Government servants) Note:— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential:— (i) M.Sc., or Associate of Indian Agricultural Research Institute in Soil Science and Agricultural Chemistry or M.Sc. in Chemistry with specialisation in Soil Chemistry/Analytical Chemistry. (ii) 3 years' experience in Soil and Water analysis. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in the case of candidates otherwise well qualified: in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).  Desirable:— Knowledge of modern techniques of chemical analysis.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Age—No Educational Qualification : Yes	2 years.	50% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. 50% by direct recruitment.	Promotion:—Senior Research Assistant with 5 years' regular service in the grade. Transfer on deputation:—Officers holding analogous posts or with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or with 5 years' regular service in the scale of Rs. 550-900 or equivalent under the Central/State Governments and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under Column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)	Group 'A' Departmental Promotion Committee comprising 1. Chairman or a Member, Union Public Service Commission —Chairman. 2. Joint Secretary (Administration) —Member. 3. Joint Secretary of the Division —Member 4. Technical Head of the Division —Member 5. Head of the All India Soil and Land Use Survey —Member.	The Commission shall be consulted in regard to direct recruitment, confirmation of a direct recruits, promotion and appointment of a Group 'B' Officer of the Central Government or a State Government Officer.

सा० का० नि० 667.—राष्ट्रपति, मविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कृषि विभाग के अधीन अखिल भारतीय मृदा तथा भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन में ज्येष्ठ अनुसन्धान सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अखिल भारतीय मृदा तथा भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन (ज्येष्ठ अनुसन्धान सहायक) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वे होंगे जो हमने उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हतायें आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हतायें और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हतायें:—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हतायें
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ अनुसन्धान सहायक	4	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' अराजपत्रित	550-25-750-ब० रो०-30-900 ब०	चयन	39 वर्ष (सरकारी सेवाओं के लिये शिथिल की जा सकती है) टिप्पण:— आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक : एम० एम० सी० की उपाधि, या भारतीय कृषि अनुसन्धान में विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान का एसोसियेट या मुदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान, विश्लेषण रसायन विज्ञान में विशेष योग्यता सहित रसायन विज्ञान में एम० एम० सी० की उपाधि। (अर्हतायें अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी) वांछनीय : रसायनिक विश्लेषण में 2 वर्ष का अनुभव।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये भवधि यदि कोई विहित आयु और शैक्षिक अर्हताये प्रोन्नति की दशा में प्राप्त होगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
---	---	---	---	--

8	9	10	11	12	13
आयु—नही शैक्षिक अर्हताये—स्तम्भ 11 में विनिर्दिष्ट सीमा तक	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके तहत हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : ऐसे ज्येष्ठ अनुसन्धान सहायक जिसकी उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : ऐसे अधिकारी, जो सृष्ट पद धारण करते हों या जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकारों के अधीन 650-1200 रु० के वेतनमान में 3 वर्ष नियमित सेवा की हो या 550-900 रु० के वेतनमान में 5 वर्ष नियमित सेवा की हो और जिनके पास सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये स्तम्भ 7 में विहित अर्हताये और अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे— 1. संघ लोक सेवा आयोग का वास्तव और केन्द्रीय अध्यक्ष या सदस्य—अध्यक्ष सरकार या राज्य सरकार के समूह 'ख' अधिकारी की प्रोन्नति और नियुक्ति की बाबत आयोग से परामर्श किया जायेगा। 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सदस्य 3. प्रभाग का संयुक्त सचिव —सदस्य 4. प्रभाग का तकनीकी प्रधान —सदस्य 5. अखिल भारतीय मूला और भूमि सर्वेक्षण का प्रधान — सदस्य	सीधी भर्ती की बाबत सीधे भर्ती किये गये व्यक्ति की पुष्टि की

[सं० 1-13/76-भूमि (II)]

एच० एस० राजू, अवर सचिव

**G.S.R. 667.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Research Assistant in the All India Soil and Land Use Survey Organisation, under the Department of Agriculture, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the All India Soil and Land Use Survey Organisation (Senior Research Assistant) Recruitment Rules, 1977.

(2) Short title and commencement.—(1) These rules may be publication in the official Gazette.

2. Number of post, is classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Research Assistant	4	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted.	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Selection	30 years (Relaxable for Government Servants) Note:— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India. (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : M.Sc. or Associate of Indian Agricultural Research Institute in Soil Science and Agricultural Chemistry or M.Sc. in Chemistry with specialisation in Soil Chemistry/Analytical Chemistry. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.) Desirable : 2 years' experience in chemical analytical work.

Whether age and educational qualifications : prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Age—No. Educational Qualification : To extent indicated in Column 11.	2 years	50% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. 50% by direct recruitment.	Promotion : Research Assistants possessing at least a B. Sc. degree with Soil Science, Agricultural Chemistry or Chemistry as one of the subjects and with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Officers holding analogous posts under the Central Government on a regular basis. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.)	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of— 1. Joint Secretary (Administration)—Chairman 2. Joint Secretary of the Division—Member 3. Technical Head of the Division—Member 4. Head of the All India Soil and Land Use Survey Organisation—Member	The Union Public Service Commission shall be consulted for making direct recruitment and confirmation of a direct recruit.



Note:—When-  
ever the depart-  
mental promo-  
tion Committee  
is to consi-  
der the case  
of confirmation  
of a direct re-  
cruit in the  
grade, the  
Chairman or  
a Member of  
the Union  
Public Service  
Commission will  
be associated  
and he will  
preside over the  
meeting of the  
Departmental  
Promotion Com-  
mittee.

[No. 1—13/76—Lands (II)]  
H. S. RAJU, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 मई, 1977

सांख्यिकी 668.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मात्स्यकी, नाविक इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान मुख्य इंजीनियर और मुख्य इंजन चालक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मात्स्यकी नाविक इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान (मुख्य इंजीनियर और मुख्य इंजन चालक) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयुसीमा अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. विरहताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाये गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अवयव पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
मुख्य इंजिन चालक और मुख्य इंजीनियर	4	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराज-पत्रित, अलिपिक-वर्गीय	840-40-1000-२० १००-40-1200-३०	चयन	35 वर्ष (सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल की जा सकती है)। टिप्पण: आयु-सीमा अव-धारित करने की निम्नलिखित तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से उनसे भिन्न जो अणुमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्ष-द्वीप में रहते हैं। आवेदन प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) परिवहन मंत्रालय का प्रथम वर्ग या द्वितीय वर्ग इंजीनियर (मोटर) सक्षमता प्रमाणपत्र या परिवहन मंत्रालय का सस्य ग्रहण नौका इंजीनियर प्रमाण पत्र, या (क) सस्यग्रहण नौका इंजीनियर, या (ख) सस्यग्रहण नौका इंजिन ड्राइवर या (ग) समुद्रगामी इंजिन ड्राइवर के रूप में वाणिज्यिक समुद्री विभाग द्वारा जारी किया गया सक्षमता प्रमाण पत्र। (2) माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र या समतुल्य, या केन्द्रीय मास्टर की प्रवर्ती संस्थान कोचिंग या मद्रास से इंजिन चालक के पाठ्यक्रम के संस्थागत प्रशिक्षण को समाधानप्रद रूप में पूर्ण किया होना। (3) सस्यग्रहण नौकाओं में 3 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव। (अर्हताएं, अतः सुसहित अभ्य-थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी, विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उनके लिए आरक्षण पदों के लिए शिथिल की जा सकेगी।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की बाधे व्यक्तियों के लिए अवधि यदि कोई विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण/किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
--	---	--	---	--

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : हां जमी की स्तंभ 7(i) में हैं ।	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, प्रोन्नति : जिनके न हों करने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर सीधे भर्ती द्वारा, 50 प्रतिशत सीधे भर्ती द्वारा ।	ऐसे इंजिन चालक वर्ग 1 और इंजिन चालक वर्ग 2 पर जिन्होंने अपनी श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात क्रमशः 8 और 10 वर्ष सेवा की हों, साथ-साथ विचार किया जाएगा । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : वे अधिकारी जो सदुप पद के धारक हों, या जिन्होंने कृषि विभाग के अधीन संबंधित मान्यकी संगठनों में क्रमशः इंजिन चालक वर्ग 1 और इंजिन चालक वर्ग 2 की श्रेणी में 8 और 10 वर्ष नियमित सेवा की हों । (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1 संयुक्त सचिव (मास्थकी) —अध्यक्ष 2 संयुक्त आयुक्त (मास्थकी) —सदस्य केन्द्रीय मान्यकी प्रवर्ती संस्थान के प्रधान —सदस्य उप सचिव (मास्थकी) —सदस्य अवर सचिव (मास्थकी) —सदस्य टिप्पण : जब कभी विभागीय प्रोन्नति समिति किसी श्रेणी में पुष्टिकरण के मामले पर विचार करेगी तब संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या एक सदस्य को सहयुक्त किया जाएगा और वह विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक का समापन करेगा ।	सीधे भर्ती करते समय और सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों का पुष्टिकरण करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

[सं० 10 -17/76-मा०(प्र०)]

नगेन्द्र सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 4th May, 1977

**G.S.R. 668**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Chief Engineer and Chief Engine Driver at Central Institute of Fisheries Nautical Engineering Training, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Institute of Fisheries Nautical Engineering Training, (Chief Engineer and Chief Engine Driver) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay of the post.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications:—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## ANNEXURE I

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-Selection post.	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Chief Engine Driver and Chief Engineer.	4	General Central Service Group B Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.	Selection	35 years (Relaxable for Govt. servants). Note.— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India. (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential :— (i) Ministry of Transport Certificate of Competency as 1st Class or 2nd Class Engineer (Motor). OR Ministry of Transport Certificate as Engineer of Fishing Vessels. OR Certificate of competency as :— (a) Engineer of Fishing Vessels, or (b) Engine Driver of Fishing Vessels, or (c) Sea-going Engine Driver issued by the Mercantile Marine Department. (ii) Secondary School Leaving Certificate or equivalent or satisfactory completion of Institutional training of Engine Driver's Course at Central Institute of Fisheries Operatives, Cochin or Madras. (iii) 3 years' practical experience on fishing vessels. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified ; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them.)

Whether age and educational qualifications, prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion / deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	In a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Age : No. Educational Qualification : Yes as at (i) in Column 7.	2 years	50% by promotion failing which by transfer on deputation, and failing both by direct recruitment ; 50% by direct recruitment.	Promotion : Engine Driver Class I and Engine Driver Class II with 8 and 10 years service in the respective grade rendered after appointment there to on a regular basis being considered together.	Group 'B' Departmental Committee comprising :— Joint Secretary (Fisheries) : Chairman Joint	Union Public Service Commission shall be consulted in making direct recruitment and confirmation of direct recruit.

11	12
Transfer on deputation : Officers holding analogous posts or with 8 and 10 years regular service in the grade of Engine Driver Class I and Engine Driver Class II respectively in sister Fishe- ries Organisations under the Department of Agri- culture. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	sioner Cauensis (Fisheries : Member Head of Central Institute of Fisheries Operatives : Member Deputy Secre- tary Fisheries : Member Under Secre- tary Fisheries : Member Note :—When- ever the Depart- mental Promo- tion Committee is to consider the case of confirmation in the grade, Chairman, or a Member of the Union Public Service Commi- ssion will be associated and he will preside over the meeting of the Depart- mental Promo- tion Committee.

[No. 10-17/76-Fy. (Adm.)]

NAGINDER SINGH, Under Secy.

## शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 4 मई 1977

सा० का० नि० 669,—वास्तुकला अधिनियम, 1972 (1972 का 20) की धारा 44 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार वास्तुकला परिषद नियम, 1973 में संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

- (1) इन नियमों को वास्तुकला परिषद (संशोधन) नियम, 1973 कहा जाए।
- (2) सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से ये लागू होंगे।
- वास्तुकला परिषद नियम, 1973 के नियम 35 के उप-नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित पड़ा जाए, अर्थातः—

“(1) (क) वास्तुकारों के विरुद्ध सभी शिकायतों की जांच की जाएगी तथा वास्तुकारों के दुराचरण से सम्बन्धित सम्पूर्ण जांच परिषद की एक समिति द्वारा की जाएगी जिसमें तीन सदस्य होंगे। इन सदस्यों में से एक सदस्य परिषद द्वारा अपने ही सदस्यों में से चुना जाएगा, एक सदस्य खंड (ख) के अधीन मनोनीत सदस्यों में से चुना जाएगा और एक सदस्य द्वारा 3 की उप-धारा 3 के खंड (ब) में उल्लिखित सदस्यों में से चुना जाएगा। (ख) अनुशासनात्मक समिति का अध्यक्ष इसी समिति के सदस्यों द्वारा अपने में से ही चुना जाएगा।”

[एफ०स० 12-11/73-टी० 1/टी० 3]

बी० आर० रेड्डी, निदेशक (तक०)

## MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 4th May, 1977

**G.S.R. 669.**—In exercise of the powers conferred by Section 44 of the Architects Act, 1972 (20 of 1972), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Council of Architecture Rules, 1973, namely:—

1. (1) These rules may be called the Council of Architecture (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For Sub-rule (1) of rule 35 of the Council of Architecture Rules, 1973 the following shall be substituted, namely:—

“(1)(a) All complaints against architects shall be investigated and all enquiries relating to misconduct of architects shall be held by a committee of the Council consisting of three members of whom one shall be elected by the Council from among its members; one member from among the members nominated under clause (b), and one member among the members referred to in clause (d) of Sub-section 3 of Section 3.

(b) The Chairman of the Disciplinary Committee shall be elected by the members of that Committee from among themselves.”

[F. N. 12-11/73.T.1/T.3]

V. R. REDDY, Director (Technical)

### (संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 7 मई, 1977 -

सा० का० नि० 670.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, संस्कृति विभाग में पुस्तकालय अध्यक्ष श्रेणी I (भाषा) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम-संस्कृति विभाग पुस्तकालय-अध्यक्ष श्रेणी I (भाषा) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन्हें उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उपरोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवन होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो ध्यान हैं उन्हें देखबख्त करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की श्रावत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
पुस्तकालय-अध्यक्ष श्रेणी I (भाषा)	8	माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35- 810-50-रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200 र०	लागू नहीं होता	35 वर्ष से प्रारंभ (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पणी : आयु सीमा अवधारित करने की तिथि भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न, जो अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में है) आवेदन प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।	(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से कला में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय/संस्था से पुस्तकालयशास्त्र में उपाधि या डिप्लोमा। (iii) किसी प्रख्यात पुस्तकालय में किसी उत्तरदायी हैसियत में 5 वर्ष का अनुभव। (iv) वैकल्पिक या अनिवार्य विषय के रूप में स्नातक स्तर तक सम्बद्ध भाषाओं का ज्ञान। (v) अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषकर, अनुभव संबंधी अर्हता अनु-सूचित जातियों और अनु-सूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए, शिथिल की जा सकती हैं।

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विशिष्ट आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा नया विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा/की जाएगी	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[फा० सं० ए० 120 18/1/76-ईएण्डसी]

एम० लक्ष्मीनारायण, अवर सचिव

## (Department of Culture)

New Delhi, the 7th May, 1977

**G.S.R. 670.**—In exercise of the powers conferred by the Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Librarian Grade I (Languages), in the Department of Culture, namely :—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Department of Culture (Librarian Grade I (Languages)) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of Posts, Classification and Scale of Pay.—The number of the said posts, classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed herewith.

3. Method of Recruitment, Age limit and Qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the aforesaid schedule.

## 4. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Librarian Grade I (Languages)	8	General Central Services Group B Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants) Note :— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	(i) Master's Degree in Arts of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma in Librarianship of a recognised University Institution. (iii) 5 years experience in a responsible capacity in a Library of standing. (iv) Knowledge of the Languages concerned upto the B.A. level either as an optional or compulsory subject. (v) Qualification relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified, in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them.

Whether age and educational qualifications, prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.

[File No. A-12018/1/76-E & C]  
M. Lakshminarayana, Under Secy.



नई दिल्ली, 7 मई, 1977

सा० का० लि० 671.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कलकत्ता में कनिष्ठ सन्दर्भ सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हेतु, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कलकत्ता, कनिष्ठ सन्दर्भ सहायक पद भर्ती नियम 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पदों की संख्या उक्त वर्गीकरण और उक्त वेतनमान वे होंगे जो इसमें उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि.—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उनसे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्ष को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती है।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना उपेक्षित है।

## अनुसूची

केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कलकत्ता में कनिष्ठ संदर्भ सहायक पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	संधि भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ संदर्भ सहायक	दो	साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह 'ग') निपिक-वर्गीय	260-6-326-ब०रो०-8-350 रु०	प्रचयन	18 से 25 वर्ष के बीच (विभागीय अभ्यर्थियों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	(i) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य (ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्था/पुस्तकालय/संगम द्वारा संचालित किया जाने वाला 3-6 मास की अवधि की पुस्तकालयाध्यक्षणा में प्रमाण-पत्र का पाठ्यक्रम।
सौधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति / भर्ती सीखे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिनितता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किए परिस्थितियों में संक्षेप लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा	ऐसे अभिनेत्र परिचरों में से प्रोन्नति द्वारा जिन्होंने सरकार की 5 वर्ष निरन्तर सेवा की है।	(i) उप सचिव (संस्कृति) अथवा (ii) पुस्तकालयभ्यक्ष केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय—सदस्य (iii) सहायक सम्पादक, केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय—सदस्य सचिव।	लागू नहीं होगा	

[सं० एफ० 15-9/78-सी ए आर्डी (2)]

एफ० एम० जस्सल, अवर सचिव

New Delhi, the 7th May, 1977

**G.S.R. 671.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Reference Assistant in the Central Reference Library, Calcutta, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Central Reference Library, Calcutta, Junior Reference Assistant Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc. :—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification :—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Junior Reference Assistant in the Central Reference Library, Calcutta.

Name of Post	Number of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection Post or non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Junior Reference Assistant	Two	General Central Services (Group C) Ministerial	Rs. 260-6-326-EB-8-350,	Non-selection	Between 18-25 years (relaxable up to 35 years for departmental candidates).	(i) Matriculation or Equivalent. (ii) Certificate course in librarianship of 3 to 6 months duration conducted by a recognised institution/Library association.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or transfer from which promotion to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
No	2 years	50% by direct recruitment and 50% by promotion.	Promotion from regular service with Government.	Record with 5 years' service with	(i) Deputy Secretary—Chairman (ii) Librarian, Central Reference Library—Member (iii) Assistant Editor Central Reference Library—Member Secretary	Not applicable.

[No. F. 15-9/76-CAI (2)]

H. S. JASSAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मई, 1977

सा० का० नि० 672.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए—सांस्कृतिक विभाग के अधीन सांस्कृतिक सम्पत्ति के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय अनुसन्धान प्रयोगशाला में केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सांस्कृतिक सम्पत्ति के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय अनुसन्धान प्रयोगशाला (साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' पद) भर्ती नियम, 1977 है।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. उल्लेख वैज्ञानिक सहायक	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' अराजपत्रित	550-25-750-इ०रो० 30-900 रु०	लागू नहीं होता।	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) <b>टिप्पणी:—</b> आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णय तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप संघ राज्यक्षेत्रों में रहते हैं) आवेदन प्राप्त की अन्तिम तारीख होगी।	<p>आवश्यक :</p> <p>(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से रसायनशास्त्र में मास्टर की उपाधि या समतुल्य।</p> <p>(ii) विश्लेषणात्मक रसायनशास्त्र में व्यवहारिक या अनुसन्धान और अध्यापन का दो वर्ष का अनुभव। ऐसे अभ्यर्थियों को जिन्हें सांस्कृतिक सम्पत्ति जैसे कि प्राचीन वस्तुओं पाषाण, धातु, मूर्तिकाशिल्प और काष्ठ की वस्तुओं या मूर्तियों, रंग चित्रों और पाण्डुलिपियों आदि के संरक्षण और विश्लेषण में अनुभव हो अधिमान दिया जाएगा। (अर्हता, सुअहित अभ्यर्थियों की वशा में, संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है, विशेषकर अनुभव सम्बन्धी अर्हता, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित पदों की वशा में शिथिल की जा सकती है।)</p>

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और नैसर्गिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	-------------------------------	---	--	---	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन समुपपद धारण करने वाले या ऐसे अधिकारी वे अधिकारी जिन्होंने 425-700 रु० या समतुल्य वेतन-मान में के पदों में कम से कम 5 वर्ष सेवा की हो स्तम्भ 7 में सीधे भर्ती के लिए विहित अर्हताएं और अनुभव रखते हों। (प्रतिनियुक्ति की की अवधि माधारणतया 3 वर्ष से से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता।	सीधे भर्ती की दशा में चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से होगा।

1	2	3	4	5	6	7
2. ज्येष्ठ फोटोग्राफर	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ब' अराजक-पंक्ति।	550-25-750-रु० 30-900 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पणी :- आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहते वाले अभ्यर्थियों से (उनमें भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप संघ राज्यक्षेत्रों में रहते हैं) आवेदन प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।	<p>आवश्यक :</p> <p>(i) मैट्रिकुलेशन या परीक्षा उत्तीर्ण।</p> <p>(ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से फोटोग्राफी में डिप्लोमा या समतुल्य फोटोग्राफी में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव, जिसमें अन्ध-कक्ष-कार्य 'डार्क रूम वर्क' सांस्कृतिक सामग्री की फोटोग्राफी सम्मिलित है, जिसमें से 3 वर्ष का अनुभव किसी संग्रहालय या पुरातत्त्विक या पुरालेख प्रयोगशाला या किसी स्थापित स्टूडियो में हो।</p> <p>(iii) सांस्कृतिक पदार्थों की फोटोग्राफी के लिए एकसक्ति 'एक्सरे' और परावर्तनी अल्ट्रा-वायलेट किरण के उपयोग का पर्याप्त अनुभव (अर्हताएं, सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है, विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित पदों की दशा में शिथिल की जा सकती है।)</p> <p>वांछनीय :</p> <p>एक आधुनिक संरक्षण फोटोग्राफिक स्टूडियो संगठित करने का अनुभव (अभ्यर्थियों को व्यवहारिक परीक्षण के लिए उपस्थित होना होगा)।</p>

9	10	11	12	13
लागू नहीं होना।	2 वर्ष।	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	लागू नहीं होता।
		केन्द्रीय सरकार के अधीन पद धारण करने वाले या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 425-700 रु० वेतनमान या समतुल्य वेतनमान में के पथों में 3 वर्ष की सेवा और जो स्तम्भ 7 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं तथा अनुभव रखने हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)		सीधी भर्ती की दशा में चयन, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[सं० एक० 14-14/76-सं०ए०आई०(I)]

ज० मि० गुगनानी, सहायक शिक्षा सलाहकार

New Delhi, the 9th May, 1977

**G.S.R. 672.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulations the method of recruitment to General Central Service Group 'B' posts in the National Research Laboratory for Conservation of Cultural Property under the Department of Culture, namely :—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the National Research Laboratory for Conservation of Cultural Property (General Central Service Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1977

(2) They shall come into force on the date of their publications in the Official Gazette.

2. Applications:—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the schedule annexed hereto.

3. Number of posts, classification and scale of pay :—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of schedule aforesaid.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said posts, age limit qualifications and other matter connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

Provided that the upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled

Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualifications :—No person—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to any of the said posts provided that he Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is not necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons or posts.

7. Saying :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes/Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of Post	Number of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Senior Scientific Assistant	1	General Central Service Group B Non-Gazetted	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Not Applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants) Note:—The crucial date for determining the	Essential : (i) Master's Degree in Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' practical or research and teaching experience in Analytical Chemistry Candidates with experience in conservation and analysis of

1	2	3	4	5	6	7
					age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the main territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	cultural property, like antiquities, stone, metal, ceramics and wood objects or sculptures, paintings and manuscripts etc. will be preferred. (Qualifications) relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Schedule Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).
						Desirable :  Experience of use of modern physico-chemical analytical equipment.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not Applicable	2 years	By transfer or transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer or Transfer on deputation :  Officers under the Central Government holding analogous posts or with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 7.  (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not Applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission in case of direct recruitment.

1	2	3	4	5	6	7
2. Senior Photographer	1	General Central Service Group B Non-Gazetted.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Not Applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipts of applications from candidates in India (other than those in the main territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Matriculation or equivalent examination passed. (ii) Diploma in Photography from a recognised Institution or equivalent.  OR At least 5 years' experience of photography including experience of dark room work and photography of cultural material of which 3 years' experience in a museum or Archaeological or Archival Laboratory or a studio of repute. (iii) Adequate experience of using X-Ray and Ultraviolet rays for photography of cultural objects. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well-qualified in particular, the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).  Desirable : Experience of organising a modern conservation photographic Studio (Candidates will have to appear for a practical test).
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	2 years	By transfer or transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer or Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 7.  (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not Applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission in case of direct recruitment.	

[No. F. 14-14/76-CAI (I)]

J. M. GUGNANI, Asstt. Educational Adviser

(समाज कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1977

सा. का. सि. 673 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय समाज-रक्षा संस्थान में प्रकाशन सहायक के वर्ग-ख पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय समाज-रक्षा संस्थान, समाज कल्याण विभाग (प्रकाशन सहायक) भर्ती नियम, 1977 होगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वे होंगे जो गणपत अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिश्चित हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा तथा अर्हताएं आदि :—पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं, तथा उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिश्चित हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृत विधि के अधीन अनु-कीय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. शिक्षित करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें निपिबद्ध करके तथा भंड लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6. अपवाद :—इन नियमों की कोई भी बात उन आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध किया जाता अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद या भ्रव-यन पद	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं युग्म सीमा।
1	2	3	4	5	6
प्रकाशन सहायक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-ख, अराजपक्षित गैर-लिपिक वर्गिय	550-25-750-द०रो०- 30-900 रु०	लागू नहीं (सरकारी कर्म-चारियों के लिए छूट दी जा सकती है)	30 वर्ष से अधिक नहीं। टिप्पणी :—आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तिथि भारत में उम्मीद-वारों (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्ष्य-द्वीप में उम्मीदवारों को छोड़कर) से आवेदन पत्र प्राप्त होने की अन्तिम तारीख होगी।
अतिरिक्त :					
1. मान्यता प्राप्त विष्णुविद्यालय की डिग्री या उसके बराबर। 2. प्रकाशन कार्य को सम्भालने का 3 वर्ष का अनुभव। (संघ लोक सेवा आयोग के स्वविवेक पर अन्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में दी जा सकती है, विशेषकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के मामले में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए अनुभव संबंधी योग्यता में ढील दी जा सकती है)।					

#### बांछनीय :

1. पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा।
2. समाज-रक्षा के क्षेत्र में प्रकाशन कार्य का अनुभव।



क्या सीधी भर्ती किए परीक्षा की भर्ती की पद्धति (भर्ती सीधे पदोन्नति / प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण यदि विभागीय पदोन्नति भर्ती करने में कितने परि-
जाने वाले व्यक्तियों अवधि यदि हो होगी या प्रतिनियुक्ति में अथवा द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रैजु जिनसे मिति विद्यमान है स्थितियों में भंड लोक
के लिए विहित आयु स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पदोन्नति / प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण हो उसकी संरचना सेवा आयोग से परामर्श
तथा शैक्षिक अर्हताएं पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली किया जाएगा किया जाएगा
पदोन्नति की दशा में रिक्तियों का प्रतिशत)
भी लागू होंगी।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं।	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्प अवधि का अनुबन्ध शामिल), बैगा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्प-अवधि अनुबन्ध शामिल) केन्द्रीय सरकार के अधीन अधिकारी, बैसा न होने पर राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों तथा मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थाओं के अधिकारी, जो समतुल्य पदों पर लगे हों अथवा जिनकी 425-700 रुपये के वेतनमान में पदों पर या बराबर के पदों पर 5 वर्ष की सेवा हो तथा कालम 7 में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अर्हताएं और अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति या अनुबन्ध की अवधि माघारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं	राज्य सरकारों, विश्व विद्यालयों अथवा मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थाओं से किसी अधिकारी की नियुक्ति करते समय, सीधी भर्ती करने समय और भीधे भर्ती किए गए अधिकारी को स्थायी करते समय संश लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक होगा।

[भं० एक० 14/4/76-एस० डी०]

डी० एन० बहादुर, उप सचिव

## (Department of Social Welfare)

New Delhi, the 12th May, 1977

**G.S.R. 673.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the president hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group-B post of publication Assistant in the National Institute of Social Defence under the Department of Social Welfare, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the National Institute of Social Defence, Department of Social Welfare (Publication Assistant) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, Classification and Scale of pay : The number of the said posts, Classification and the Scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc : The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

27 GI/77—5.

4. Disqualifications : No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Publication Assistant	1	General Central Service, Group-B Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Not applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government Servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience in handling publication work. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them). Desirable :— (i) Degree or Diploma in Journalism. (ii) Experience of publication work in the field of social defence.
Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11		12	13
Not applicable	2 years	By transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (Including short-term contract): Officers under the Central Government, failing which State Governments, Universities and Recognised Research Institutions, holding analogous posts or with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 7.  (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 3 years)		Not applicable	Consultation with the Union Public Service Commission shall be necessary while appointing an officer from State Governments, Universities, or Recognised Research Institutions and while making direct recruitment and confirmation of a direct recruit.

B.N. BAHADUR, Dy. Secy.  
[No.F. 14/4/76—DS]

**नौवहन और परिवहन मंत्रालय****(परिवहन पक्ष)**

नई दिल्ली, 2 मई, 1977

सा. का. नि. 674.—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम 1958 (1958 का 44) की धारा 458 के साथ पठित धारा 19 की उप-धारा (2) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

**अध्याय 1****प्रारम्भिक**

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नौवहन विकास निधि समिति (मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम, नौवहन विकास निधि समिति के पूर्ण कालिक कर्मचारियों को (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जो लोक हित में आमोदित किए गए हैं) लागू होंगे किन्तु निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे :—

- (1) आकस्मिक और अनियमित कर्मचारी,
- (2) प्रतिनियुक्ति-निबन्धनों पर नियोजित सरकारी सेवक और अन्य,
- (3) संविदा के आधार पर कर्मचारी,
- (4) दैनिक मजदूरी पर कर्मचारी, और
- (5) पुनर्नियोजित व्यक्ति।

3. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) 'लेखा अधिकारी,' से समिति का लेखा-अधिकारी अभिप्रेत है,
- (ख) 'अध्यक्ष' से समिति का अध्यक्ष अभिप्रेत है,
- (ग) 'संतान' से कर्मचारी की संतान अभिप्रेत है, जो यदि पुरुष है तो, अठारह वर्ष से कम आयु का हो और यदि पुत्री है तो अविवाहित हो और इक्कीस वर्ष से कम आयु की हो और "बच्चे" पद का अर्थ तदनुसार ही लगाया जाएगा,
- (घ) 'समिति' से वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 15 के अधीन गठित नौवहन विकास निधि समिति अभिप्रेत है,
- (ङ) 'उपलब्धियां' से नियम 15 में परिभाषित उपलब्धियां अभिप्रेत हैं,
- (च) 'प्रत्य' से इन नियमों से उपाबद्ध प्रत्य अभिप्रेत है,
- (छ) 'सरकार' से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है,
- (ज) 'अवयस्क' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने अठारह वर्ष की आयु पूर्ण न की हो,
- (झ) 'अर्हक सेवा' से ऐसी सेवा अभिप्रेत है जो समिति के नियोजन में कर्तव्य पर रहते हुए की गयी हो, किन्तु इसमें किसी कर्मचारी को मंजूर की गयी असाधारण छुट्टी नियम 8 में विनिर्दिष्ट शर्तों पर मंजूर की गयी हो, के सिवाय सम्मिलित नहीं होगी,

(ञ) 'सचिव' से समिति का सचिव अभिप्रेत है,

(ट) यहां प्रयुक्त और अपरिभाषित, किन्तु मूल नियमों में परिभाषित, शब्दों और पदों के क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उन्हें उन नियमों में दिए गए हैं।

**अध्याय 2****सामान्य शर्तें****4. मृत्यु-एवं-सेवा-निवृत्ति उपदान के दावों का विनियमन**

मृत्यु-एवं-सेवा-निवृत्ति उपदान, उस समय जब कर्मचारी, यथा-स्थिति, सेवानिवृत्त होता है या सेवानिवृत्त कर दिया जाता है या सेवान्युक्त कर दिया जाता है या उसे सेवा से पदत्याग करने की अनुज्ञा दी जाती है या मर जाता है, प्रवृत्त इन नियमों के उपबन्धों द्वारा विनियमित किया जाएगा।

5. अनुमोदित सेवा के अधीन रहते हुए पूरा मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान

(1) नियम 17 के अधीन अनुज्ञेय पूरा मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान कर्मचारी को तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि उस कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा अध्यक्ष द्वारा संतोषप्रद रूप में अनुमोदित न कर दी गयी हो।

(2) यदि ऐसी सेवा संतोषप्रद न रही हो तो अध्यक्ष, मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान की रकम में उतनी कमी कर सकेगा जितनी वह ठीक समझे।

(3) अध्यक्ष किसी मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान या उसके भाग को, स्थायी रूप से अथवा किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रोकने, तथा अथवा समिति को कारित किसी धन संबंधी हानि को पूर्णतः या अंशतः मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान में से वसूल करने का आदेश देने का अधिकार उस दशा में अपने पास आरक्षित रखता है जब किसी विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियों में कर्मचारी के बारे में यह पाया जाए कि वह अपने सेवकाल में गम्भीर अवचार या उपेक्षा का दोषी रहा है।

**अध्याय 3****अर्हक सेवा**

6. अर्हक सेवा का प्रारम्भ—कर्मचारी की अर्हक सेवा उस तारीख से प्रारम्भ होगी जिससे वह उस पद का भार ग्रहण करता है जिस पर वह समिति द्वारा पहली बार नियुक्त किया गया था।

7. वे शर्तें जिनके अधीन रहते हुए सेवा अर्हक होती है—(1) कर्मचारी की सेवा तब तक अर्हक नहीं होगी जब तक उसके कर्तव्य और उसका वेतन समिति द्वारा या समिति द्वारा अवधारित शर्तों के अधीन विनियमित नहीं कर दिए जाते।

(2) उपनियम (1) के प्रयोजनों के लिए, 'सेवा' पद से समिति के अधीन ऐसी सेवा अभिप्रेत है, जिसके लिए अदायगी उस समिति द्वारा नौवहन विकास निधि में से की जाती है।

8. छुट्टी पर व्यतीत की गयी अवधियों की गणना—ऐसी सभी छुट्टी की, जिसके लिए छुट्टी वेतन संदेय है, गणना अर्हक सेवा के रूप में की जाएगी,

परन्तु असाधारण छुट्टी की दशा में सचिव या अध्यक्ष ऐसी छुट्टी मंजूर करते समय, उस छुट्टी की अवधि की अर्हक सेवा के रूप में गणना किए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा यदि ऐसी छुट्टी कर्मचारी को—

- (1) चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर, या

(2) नागरिक संक्षोभ के कारण कार्यभार ग्रहण या पुनः ग्रहण करने में उसकी असमर्थता के कारण,

मंजूर की जाए।

9. निलम्बन की अवधि की गणना—निलम्बित कर्मचारी ने जो अवधि आचरण की जांच होने तक व्यतीत की है उसकी गणना, जहाँ कि ऐसी जांच समाप्त हो जाने पर उसे पूरी तरह से विमुक्त कर दिया गया है, अथवा निलम्बन को पूर्णतः अन्यायपूर्ण ठहराया गया है, वह, अर्हक सेवा के रूप में की जाएगी, अन्य मामलों में निलम्बन की अवधि की गणना तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि आदेश पारित करने के लिए सक्षम अधिकारी उस समय स्पष्ट रूप से यह घोषित न करे कि उसकी गणना केवल उसी सीमा तक की जाएगी जिसकी कि घोषणा वह प्राधिकारी करे।

10. पदच्युति पर सेवा का समपहरण—कर्मचारी के समिति के अधीन—सेवा से पदच्युत किए अथवा हटा दिए जाने से उसकी विगत सेवा समपहत हो जाएगी।

11. बहाली पर विगत सेवा की गणना—(1) ऐसा कर्मचारी जो समिति के अधीन सेवा से पदच्युत कर दिया गया है, हटा दिया गया है अथवा अनिवार्य रूप से निवृत्त कर दिया गया है किन्तु, अपील पर अथवा पुनर्विलाकन पर बहाल कर दिया गया है, अपनी विगत सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में कराने का हकदार होगा।

(2) पदस्थिति, पदच्युति, हटाए जाने तथा अनिवार्य सेवानिवृत्ति की तारीख तथा बहाली की तारीख के बीच समिति के अधीन सेवा में जितनी अवधि का व्यवधान हुआ है, उस अवधि और निलम्बन, की, यदि कोई हो, अवधि की गणना तब तक अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जाएगी जब तक उसे उस प्राधिकारी के, जिसने बहाली का आदेश पारित किया गया था, किसी विनिर्दिष्ट आदेश द्वारा कर्तव्य अथवा छुट्टी के रूप में विनियमित नहीं कर दिया जाता।

12. सेवा में व्यवधान का प्रभाव—(1) कर्मचारी की सेवा में व्यवधान से, निम्नलिखित मामलों में के सिवाय, उसकी विगत सेवा समपहत हो जाएगी, अर्थात् :—

(क) अनुपस्थिति की प्राधिकृत छुट्टी,

(ख) अनुपस्थिति की प्राधिकृत छुट्टी के अनुक्रम में अप्राधिकृत अनुपस्थिति तब तक जब तक अनुपस्थित व्यक्ति का पद पर न लिया जाए,

(ग) निलम्बन, वह जहाँ उसके ठीक पश्चात् उसी पद में या किसी भिन्न पद में बहाली की गयी है अथवा जहाँ जहाँ कर्मचारी मर जाता है या निलम्बित रहते हुए उसे सेवा-निवृत्त होने दिया जाता है अथवा अनिवार्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर सेवानिवृत्त कर दिया जाता है।

(घ) कार्य-ग्रहण अवधि, जब वह एक पद से दूसरे पद पर स्थानान्तरण पर है।

(2) उपनिषम (1) में किसी बात के होते हुए भी, अध्यक्ष, बिना छुट्टी की अनुपस्थिति-अवधियों की असाधारण छुट्टी के रूप में भूतलक्षी प्रभाव से आदेश द्वारा परिवर्तित कर सकेगा।

13. सेवा में व्यवधान का माफ किया जाना—(1) समिति, कर्मचारी की सेवा में व्यवधानों को, आदेश, द्वारा, माफ कर सकेगी, परन्तु यह तब जब,—

(1) व्यवधान ऐसे कारणों से हुए हों जो कर्मचारी के वश के बाहर हों,

(2) कुल सेवा एक या अधिक व्यवधानों को, यदि कोई हों, छोड़कर पांच वर्ष से कम की न हो, और

(3) व्यवधान की, जिसके अन्तर्गत दो या अधिक व्यवधान यदि कोई हों, भी हैं, अवधि एक वर्ष से अधिक की न हो।

(2) उपनिषम (1) के अधीन की अवधि की गणना अर्हक सेवा के रूप में नहीं की जाएगी।

14. अर्हक सेवा का सत्यापन—संस्था अधिकारी/कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा का सत्यापन तत्समय प्रवृत्त सरदार के नियमों के अनुसरण में करेगा और अर्हक सेवा का अवधारण करेगा।

#### अध्याय 4

##### परिलब्धियाँ और औसत परिलब्धियाँ

15. परिलब्धियाँ—“परिलब्धियाँ” पद में ऐसी रकम अभिप्रेत है जो कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति से ठीक पूर्व या अपनी मृत्यु की तारीख से मासिक दर पर,—

(1) ऐसे वेतन (विशेष वेतन या उसकी वैयक्तिक अर्हताओं को ध्यान में रखते हुए उसे अनुदत्त वेतन से भिन्न) के रूप में ले रहा था जो उसके द्वारा अधिष्ठायी रूप धृत पद या किसी स्थानापन्न हिसयत में धृत पद के लिए या ऐसे किसी पद के लिए जिसके लिए वह कादर में अपनी स्थिति के कारण हकदार है, मंजूर किया गया है, और

(2) विशेष वेतन और वैयक्तिक वेतन के रूप में ले रहा था, और

(3) किन्हीं ऐसी अन्य परिलब्धियों के रूप में ले रहा था जो समिति द्वारा “परिलब्धियों” के रूप में विशेष रूप से वर्गीकृत की गयी हों।

टिप्पण 1.—यदि कोई कर्मचारी, अपनी सेवानिवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व कर्तव्य से ऐसी छुट्टी पर अनुपस्थित था, जिसके लिए छुट्टी वेतन संदेय है, अथवा सेवा का समपहरण हुए बिना बहाल कर दिया गया था तो वे परिलब्धियाँ जो उसे तब मिलती जब वह कर्तव्य से अनुपस्थित न रहा होता या निलम्बित न किया गया होता, इस नियम के प्रयोजनों के लिए परिलब्धियाँ होंगी,

परन्तु (टिप्पण 4 में निर्दिष्ट वेतनवृद्धि से भिन्न) वेतन में कोई भी वृद्धि जो ली न गयी हो उसकी परिलब्धियाँ का भाग नहीं होंगी।

टिप्पण 2.—जहाँ कि कोई कर्मचारी, अपनी सेवानिवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व ऐसी छुट्टी पर, जिसके लिए छुट्टी वेतन संदेय है, कोई उच्चतर नियुक्ति किसी स्थापन अथवा अस्थायी हिसयत में धारित करने के पश्चात् चला गया था जहाँ ऐसी उच्चतर नियुक्ति पर ली गयी परिलब्धियों की प्रसुविधा केवल तभी दी जाएगी जब यह प्रमाणित कर दिया जाए कि यदि कर्मचारी छुट्टी पर न गया होता तो वह उस उच्चतर नियुक्ति पर बना रहता।

टिप्पण 3.—यदि कोई कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व कर्तव्य से असाधारण छुट्टी पर अनुपस्थित रहा था, अथवा ऐसे निलम्बित रहा था कि उसकी अवधि की गणना सेवा के रूप में नहीं हो सकती तो वे परिलब्धियाँ, जो उसे ऐसी छुट्टी पर जाने से अन्यथा निलम्बित किए जाने से ठीक पूर्व मिल रही थी, इन नियमों के प्रयोजन के लिए परिलब्धियाँ होंगी।

**टिप्पण 4.**—यदि कोई कर्मचारी, अपनी सेवानिवृत्ति से या सेवा में रहते हुए मृत्यु से ठीक पूर्व अर्जित छुट्टी पर था, और उसने एक सौ बीस दिन से अधिक की अर्जित छुट्टी के दौरान और यदि अर्जित छुट्टी एक सौ बीस दिन से अधिक रही हो तो प्रथम एक सौ बीस दिन के दौरान कोई वेतनवृद्धि अर्जित की हो जो सेकी न गयी हो तो ऐसी वेतनवृद्धि भले ही वह वस्तुतः न ली गयी हो, उसकी परिस्थितियों का भाग होगी।

**16. औसत परिलब्धियाँ.**—औसत परिलब्धियाँ कर्मचारी की सेवा के अंतिम दस मासों के दौरान उसके द्वारा ली गयी परिलब्धियों के प्रति निर्देश से अवधारित की जाएंगी।

**टिप्पण 1.**—यदि कर्मचारी अपनी सेवा के अंतिम इस पूरे मास के दौरान कर्तव्य से ऐसी छुट्टी पर अनुपस्थित था, जिसके लिए छुट्टी वेतन संदेय है, अथवा निलम्बित किए जाने के पश्चात् सेवा का समुपकरण हुए बिना बहाल कर दिया गया था तो वे परिलब्धियाँ, जो उसे तब मिलतीं जब वह कर्तव्य से अनुपस्थित न रहा होता या निलम्बित न किया गया होता, औसत परिलब्धियाँ अवधारित करने के लिए लेखे में ली जाएंगी।

परन्तु (टिप्पण 3 में निर्दिष्ट वेतनवृद्धि से भिन्न) वेतन में कोई भी वृद्धि जो वस्तुतः ली न गई हो उसकी परिलब्धियों का भाग नहीं होगी।

**टिप्पण 2.**—यदि कोई कर्मचारी अपनी सेवा के अंतिम दस पूरे मास के दौरान कर्तव्य से असाधारण छुट्टी पर अनुपस्थित रहा था, अथवा ऐसे निलम्बित रहा था कि उसकी अवधि की गणना सेवा के रूप में नहीं हो सकती तो छुट्टी की या निलम्बन की पूर्वोक्त अवधि की, औसत परिलब्धियों की गणना करने में अवहेलना कर दी जाएगी और इस पूरे मास से पहले की उतनी ही अवधि सम्मिलित कर ली जाएगी।

**टिप्पण 3.**—ऐसे कर्मचारी की दशा में जो सेवा के अंतिम दस पूरे मास के दौरान अर्जित छुट्टी पर था और जिसने ऐसी वेतनवृद्धि अर्जित की थी जो एक सौ बीस दिन से अनधिक की अर्जित छुट्टी के बालू रहने के दौरान, अथवा एक सौ बीस दिन से अधिक की अर्जित छुट्टी की दशा में प्रथम एक सौ बीस दिन की छुट्टी के दौरान सेकी नहीं गई थी तो ऐसी वेतनवृद्धि, भले ही वह वस्तुतः न ली गयी हो, औसत परिलब्धियों में सम्मिलित कर ली जाएगी।

### अध्याय—5

#### मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान

**17. (1)** ऐसे कर्मचारी को, जिसने पांच वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर ली है, अपनी सेवानिवृत्ति पर या सेवान्मुक्ति पर या पदत्याग के लिए अनुज्ञात किए जाने पर मृत्यु तथा सेवानिवृत्ति उपदान मंजूर किया जाएगा जो अर्हक सेवा की प्रत्येक संपूर्ण वृत्तमासिक अवधि के लिए उसकी परिलब्धियों के एक-साँझ के बराबर होगा, किन्तु यह उपदान उसकी परिलब्धियों का अधिक से अधिक साढ़े सातह गुना होगा।

परन्तु इस नियम के अधीन संदेय मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान की रकम किसी भी दशा में तीस हजार रुपये से अधिक नहीं होगी।

(2) यदि कोई कर्मचारी पांच वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुकने के पश्चात् सेवा में रहते हुए मर जाता है तो मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान की रकम उसकी परिलब्धियों के बारह गुने के अथवा उपयुक्त नियम (1) के अधीन अवधारित रकम के, इनमें

से जो भी अधिक हो, बराबर होगी और वह नियम 18 में उपदर्शित रीति से उसके कुटुम्ब को दी जाएगी।

(3) (क) यदि कोई कर्मचारी अर्हक सेवा के प्रथम वर्ष में ही मर जाता है तो उसकी मृत्यु के समय उनकी परिलब्धियों के द्गुने के बराबर मृत्यु तथा-सेवानिवृत्ति उपदान नियम 18 के उपनियम (1) में उपदर्शित रीति से उसके कुटुम्ब को दिया जाएगा।

(ख) यदि कोई कर्मचारी अर्हक सेवा का एक वर्ष पूरा कर चुकने के पश्चात् किन्तु अर्हक सेवा के पांच वर्ष पूरा करने से पूर्व मर जाता है तो मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान की रकम उसकी परिलब्धियों के छह गुने के बराबर होगी।

(4) ऐसी कोई भी दसली ऐसे कर्मचारी को, जो सेवा में रहते हुए मृत्यु के समय अथवा सेवानिवृत्ति के समय अविवाहित कर्मचारी अथवा विधुर था अथवा विधवा थी और उसका या उसके कोई भी बालक, जिनके अंतर्गत वैध रूप से दत्तकगृहीत बालक भी हैं, नहीं था या नहीं थे, संदेय मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान में से नहीं की जाएगी।

(5) मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान के प्रयोजन के लिए परिलब्धियाँ अधिक से अधिक एक हजार आठ सौ रुपये प्रतिमास तक होंगी और नियम 15 के अनुसार संगणित की जाएगी।

परन्तु यदि किसी कर्मचारी को परिलब्धियाँ उसकी सेवा के अंतिम दस मास के दौरान, शास्तिस्वरूप कम किए जाने से अन्यथा कम कर दी गई हैं तो नियम 16 में निर्दिष्ट औसत परिलब्धियाँ, अध्यक्ष के विवेकानुसार परिलब्धियाँ मानी जा सकेंगी।

(6) इस नियम के प्रयोजनों के लिए, कर्मचारी के संबंध में 'कुटुम्ब' से निम्नलिखित अभिप्रेत है :—

- (1) पुरुष कर्मचारी की दशा में, पत्नी या पत्नियाँ,
- (2) स्त्री कर्मचारी की दशा में, पति,
- (3) पुत्र, जिनके अन्तर्गत साँतले पुत्र और दत्तकगृहीत पुत्र भी हैं,
- (4) अविवाहित पुत्रियाँ, जिनके अंतर्गत साँतली पुत्रियाँ और दत्तकगृहीत पुत्रियाँ भी हैं, F F F F F F
- (5) विधवा पुत्रियाँ, जिनके अंतर्गत साँतली पुत्रियाँ और दत्तकगृहीत पुत्रियाँ भी हैं,
- (6) पिता जिनके अंतर्गत ऐसे व्यक्तियों की दशा में जिनकी स्वीय विधि,
- (7) माता, दत्तक ग्रहण की अनुज्ञा वंसी हैं, दत्तक पिता-माता भी हैं,
- (8) अठारह वर्ष से कम आयु के भाई, जिनके अंतर्गत साँतले भाई भी हैं,
- (9) अविवाहित बहनें और विधवा बहनें, जिनके अन्तर्गत साँतली बहन भी हैं,
- (10) विवाहित पुत्रियाँ, और
- (11) पूर्व-मृत पुत्र के बालक।

**18. वे व्यक्ति जिन्हें उपदान संवेष्ट है :—(1)(क)** नियम 17 के अधीन उपदान ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को दिया जाएगा जिन्हें उपदान प्राप्त करने का अधिकार नियम 20 के अधीन नामनिर्देशन द्वारा प्रदत्त किया गया है,

(ख) यदि ऐसा कोई नामनिर्देशन नहीं है या यदि नामनिर्देशन अस्तित्व में नहीं है तो उपदान नीचे उपदर्शित रीति से दिया जाएगा,—

- (1) यदि नियम 17 के उपनियम (6) के खण्ड (1), (2), (3), और (4) में वर्णित कुटुम्ब के एक या अधिक सदस्य उत्तरजीवी हों तो ऐसे सभी सदस्यों को बराबर अंशों में,
- (2) यदि उपयुक्त उपखण्ड (1) में यथा-वर्णित कुटुम्ब के कोई भी सदस्य उत्तरजीवी नहीं हैं किन्तु नियम 17 के उपनियम (6) के खंड (5), (6), (7), (8), (9) (10) और (11) में दिए गए एक या अधिक सदस्य उत्तरजीवी हैं तो ऐसे सभी सदस्यों को बराबर-बराबर अंशों में।

(2) ऐसे कर्मचारी के, जिसको मृत्यु सेवा में रहते हुए या सेवानिवृत्ति के पश्चात् हो जाती है, कुटुम्ब को किसी नारी सदस्य, अथवा उस कर्मचारी के किसी भाई के उपदान के किसी अंश को पाने के अधिकार पर उस दशा में प्रभाव नहीं पड़ेगा जब सरकारी सेवक की मृत्यु के पश्चात् और उपदान में अपने अंश प्राप्त करने से पूर्व वह नारी सदस्य विवाह कर लेती है अथवा पुनर्विवाह कर लेती है अथवा भाई अट्ठारह वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है।

(3) जहाँ कि नियम 17 के अधीन मृत कर्मचारी के कुटुम्ब के किसी अवयस्क सदस्य को कोई उपदान मंजूर किया जाए वहाँ वह उस अवयस्क की ओर से संरक्षक को संरक्षक होगा।

19. मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति का उपदान का व्यपगत होना :—जहाँ कि किसी कर्मचारी की मृत्यु, सेवा में रहते हुए या सेवानिवृत्ति के पश्चात्, उपदान की रकम प्राप्त किए बिना, हो जाती है और,—

(क) वह कोई कुटुम्ब नहीं छोड़ता,

(ख) उसने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है, या

(ग) उसके द्वारा किया गया नामनिर्देशन अस्तित्व में नहीं है,

तब नियम 17 के अधीन उसे संदेय मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान की रकम सीमित का व्यपगत हो जाएगी।

20. नामनिर्देशन :—(1) कर्मचारी प्ररूप 1 या प्ररूप 2 में, जो भी मामले की परिस्थितियों में उपयुक्त हो, एक नामनिर्देशन करेगा जिसमें नियम 17 के अधीन संदेय मृत्यु-तथा-सेवानिवृत्ति उपदान प्राप्त करने का अधिकार एक या अधिक व्यक्तियों को प्रवृत्त किया जाएगा, :

परन्तु नामनिर्देशन करते समय,—

- (1) यदि कर्मचारी का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी व्यक्ति या व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के निकाय, चाहे वह निगमित हो या न हो, के पक्ष में किया जा सकता है,
- (3) यदि कोई कर्मचारी का कोई कुटुम्ब है तो, नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में नहीं होगा।

(2) यदि कोई कर्मचारी उपनियम (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों का नामनिर्देशन करता है तो वह नामनिर्देशन में नामनिर्देशितियों में से प्रत्येक का संदेय अंश की रकम इस प्रकार विनिर्दिष्ट करेगा कि उसके अन्तर्गत उपदान की सारी रकम आ जाए।

(3) कर्मचारी नामनिर्देशन में,—

- (1) यह उपबन्ध कर सकेगा कि ऐसे किसी विनिर्दिष्ट नामनिर्देशित की बाबत जिसकी मृत्यु कर्मचारी से पहले हो जाए अथवा कर्मचारी की मृत्यु हो जाने के पश्चात् किन्तु उपदान की रकम प्राप्त किए बिना हो जाए तो उस नामनिर्देशित को प्रदत्त अधिकार किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को चला जाएगा जिसे नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट किया जाए,

परन्तु यदि नामनिर्देशन करते समय कर्मचारी का कोई ऐसा कुटुम्ब हो जिसमें एक से अधिक सदस्य हों तो इस प्रकार विनिर्दिष्ट व्यक्ति उसके कुटुम्ब के सदस्य से भिन्न कोई व्यक्ति नहीं होगा :

परन्तु यह और कि जहाँ कि किसी कर्मचारी के अपने कुटुम्ब में केवल एक ही व्यक्ति हो और नामनिर्देशन उसी के पक्ष में किया गया हो वहाँ कर्मचारी किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय के पक्ष में चाहे वह निगमित हो या न हो, अनुकूल नामनिर्देशित या नामनिर्देशितियों का नामनिर्देशन करने के लिए स्वतंत्र होगा।

- (2) यह उपबन्ध कर सकेगा कि उसमें दो गई किसी आकस्मिकता के घटित होने पर वह नामनिर्देशन अवधिमान्य हो जाएगा।

(4) ऐसे कर्मचारी द्वारा, जिसका नामनिर्देशन करते समय कोई कुटुम्ब न हो, किया गया नामनिर्देशन अथवा उपनियम (3) के खण्ड (1) के द्वितीय परन्तुक के अधीन कर्मचारी द्वारा उस दशा में, जबकि उसके कुटुम्ब में एक ही सदस्य हो, किया गया नामनिर्देशन, तब विधिमान्य हो जाएगा जब उस कर्मचारी का, यथा-स्थिति, बाद में कोई कुटुम्ब हो जाए अथवा उसके कुटुम्ब में कोई और सदस्य आ जाए।

(5) कर्मचारी, सचिव को लिखित नोटिस भेजकर नामनिर्देशन किसी भी समय रद्द कर सकेगा :

परन्तु वह इस नियम के अनुसार किया गया नया नामनिर्देशन ऐसे नोटिस के साथ भेजेगा।

(6) ऐसे नामनिर्देशित, को जिसकी बाबत उपनियम (3) के खण्ड (1) के अधीन नामनिर्देशन में कोई विशेष उपबन्ध नहीं किया गया है, मृत्यु होते ही अथवा ऐसी कोई घटना घटित होने पर, जिसके कारण नामनिर्देशन उस उपनियम के खण्ड (2) के अनुसरण में अवधिमान्य हो जाए, कर्मचारी सचिव को एक लिखित नोटिस भेजेगा जिसमें वह नामनिर्देशन को रद्द कर देगा और साथ ही इस नियम के अनुसार किया गया नया नामनिर्देशन भेज देगा।

(7) (क) इस नियम के अधीन कर्मचारी द्वारा किया गया प्रत्येक नामनिर्देशन (जिसके अन्तर्गत उसके रद्दकरण, यदि कोई हो, के लिए दिया गया प्रत्येक नोटिस भी है) सचिव को भेजा जाएगा।

(ख) सचिव खण्ड (क) में निर्दिष्ट नामनिर्देशन के प्राप्त होते ही उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेगा, प्राप्ति की तारीख डालेगा और उसे अपनी अभिरक्षा में रखेगा,

(ग) सचिव, प्रशासन अधिकारी को, ऐसे कर्मचारियों के नामनिर्देशन प्ररूपों पर प्रतिहस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा, जो अधिकारियों की पंक्ति में नहीं हैं।

(घ) नामनिर्देशन की प्राप्ति के बारे में उपयुक्त प्रीविएट कर्मचारी की संवा-मुस्तिका में की जाएगी।

(8) कर्मचारी द्वारा किया गया प्रत्येक नामनिर्देशन और रद्दकरण के लिए दी गई प्रत्येक सूचना, उस सीमा तक जिस तक वह विधिमान्य है, उस तारीख से प्रभावी होगी, जिसका वह उपनियम (7) में वर्णित प्राधिकारी को प्राप्त होती है।

21. निवर्तन :—यदि इन नियमों के निवर्तन के संबंध में कोई प्रश्न उठता है तो वह केन्द्रीय सरकार के विनिश्चय के लिए उस सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा, जो उसका विनिश्चय करेगी।

प्रारूप 1

(नियम 20 देखिए)

मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान के लिये नामनिर्देशन

जब कि कर्मचारी का कोई कुटुम्ब हो और वह उसके एक या एक से अधिक सदस्यों को नामनिर्देशित करना चाहता हो।

मैं..... नीचे वर्णित व्यक्ति/व्यक्तियों को, जो मेरे कुटुम्ब का/के सदस्य है/हैं, नामनिर्देशित करना हूँ और उसे/उन्हें, नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक, ऐसा कोई उपदान प्राप्त करने का अधिकार, जो सेवा में रहते हुए मेरी मृत्यु हो जाने की दशा में नौवहन विकास निधि समिति द्वारा संजूर किया जाए और नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक ऐसा कोई उपदान मेरी मृत्यु पर प्राप्त करने का अधिकार प्रदत्त करता हूँ जो सेवानिवृत्त होने पर मुझे अनुज्ञेय हो जाए, किन्तु मेरी मृत्यु पर असंभव रह जाए।

मूल	नाम निर्देशित-शिती	अनुकल्पी	नाम निर्देशित-शिती
नाम निर्देशित-शिती/नामनिर्देशितियों का/के नाम और पता/पते	कर्मचारी आयु के साथ नाते-दारी	*प्रत्येक को संदेय उपदान की रकम या अंश	ऐसे व्यक्ति या** प्रत्येक को संदेय उपदान की रकम या अंश जिसे/जिन्हें नामनिर्देशित की प्रदत्त अधिकार कर्मचारी की मृत्यु से पूर्व नामनिर्देशित की मृत्यु हो जाने की दशा में अथवा कर्मचारी की मृत्यु के पश्चात् किन्तु उपदान का संदाय प्राप्त करने से पूर्व नामनिर्देशित की मृत्यु हो जाने पर, संक्रांत हो जाएंगे, नाम, पता/पते, और नातेदारी आयु।

1 2 3 4 5 6

यह नामनिर्देशन मेरे द्वारा हमसे पूर्व—को किए गए नामनिर्देशन को, जो अब रद्द हो गया है, अधिस्तान करता है।

टिप्पण :—(i) कर्मचारी, अपने द्वारा हस्ताक्षर कर दिए जाने के पश्चात् किसी नाम का बढ़ाया जाना रोकने के लिए उस खाली स्थान पर, जो अन्तिम प्रविष्टि में नीचे हो, आर-आर लाइनें खींच देगा।

(ii) जो लागू न हो उसे काट दी जाए।

तारीख

स्थान

हस्ताक्षर के साक्षी

1.

2.

कर्मचारी के हस्ताक्षर

\*यह स्तम्भ इस प्रकार भरा जाना चाहिए कि उसके अन्तर्गत उपदान की सारी रकम आ जाए।

\*\*इस स्तम्भ में वर्णित उपदान की रकम के अंश के अन्तर्गत मूल नामनिर्देशित/नामनिर्देशितियों को संदाय सारी रकम/सारा अंश आ जाना चाहिए।

(नौवहन विकास निधि समिति के सचिवालय द्वारा भरा जाए)  
..... द्वारा नामनिर्देशन

सचिव/प्रशासन अधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम

कार्यालय

तारीख

पदनाम

नौवहन विकास निधि समिति के सचिवालय द्वारा नामनिर्देशन प्रारूप की प्राप्ति/अभिस्वीकृत करने के लिए निर्देशन-पत्र

सेवा में,

महोदय,

आपके नामनिर्देशन, तारीख...../प्रारूप..... में उपदान की बाबत पहले किए गए नामनिर्देशन, तारीख..... के रद्दकरण की प्राप्ति अभिस्वीकृत करने हुए मुझे यह कहना है कि इसे सम्यक्तः अभिलेख में रख लिया गया है।

सचिव/प्रशासन अधिकारी

स्थान

तारीख

के हस्ताक्षर

पदनाम

टिप्पण :—कर्मचारी को यह सलाह दी जाती है कि उसके नाम-निर्देशितियों के हित में यह होगा कि नामनिर्देशनों की प्रतियाँ और संबंधित सूचनाएँ तथा अभिस्वीकृतियाँ निरापव अभिरक्षा में रखी जाएं ताकि वे उसकी मृत्यु होने की दशा में हिताधिकारियों के कब्जे में आ जाएं।

प्रारूप 2

(नियम 20 देखिए)

मृत्यु तथा सेवा-निवृत्ति उपदान के लिए नामनिर्देशन

जबकि कर्मचारी का कोई कुटुम्ब न हो और वह एक या एक से अधिक व्यक्तियों को नामनिर्देशित करना चाहता हो।

में ..... जिसका कोई भी भुदुन्ध सही है, नीचे दशित व्यक्ति/व्यक्तियों को, नामनिर्देशन करता हूँ और उसे/उन्हें, नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक, ऐसा कोई उपदान प्राप्त करने का अधिकार जो सेवा में, रहते हुए मेरी मृत्यु हो जाने की दशा में नौवहन विकास निधि समिति के सचिवालय द्वारा मंजूर किया जाए, और नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक ऐसा कोई उपदान मेरी मृत्यु पर प्राप्त करने का अधिकार प्रवक्त करता हूँ जो सेवा निवृत्ति होने पर मुझे अनुज्ञेय हो जाए, किन्तु मेरी मृत्यु पर असंदिग्ध रह जाए।

मूल	नाम-निर्देशन शिती	वैकल्पिक	नामनिर्देशन शिती
नामनिर्देशन शिती	कर्मचारी आयु के साथ नामनिर्देशन शिती	* प्रत्येक को संदेय उपदान की रकम या अंश	ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों का/की रकम या अंश जो/जिसे/जिन्हें नामनिर्देशन शिती को प्रवक्त अधिकार, कर्मचारी की मृत्यु हो जाने की दशा में अथवा सरकारी सेवक की मृत्यु के पश्चात् किन्तु उपदान का संवाय प्राप्त करने से पूर्व नाम निर्देशन शिती की मृत्यु हो जाने पर, संक्रान्त हो जाएंगे, नाम पता/पत्ने, नाम-दारी और आयु

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

यह नाम निर्देशन मेरे द्वारा इससे पूर्व किए गए नामनिर्देशन को, जो अब रह हो गया है, अधिकांत करता है।

टिप्पण:—(i) कर्मचारी अपने द्वारा हस्ताक्षर कर दिए जाने के पश्चात् किसी नाम का बढ़ाया जाना रोकने के लिए उस खाली स्थान पर जो ग्रामि प्रब्लिट में नीचे हो, आर-पार लाइने खींच देगा।

(ii) जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

तारीख  
स्थान  
हस्ताक्षर के साक्षी

- 1.
- 2.

कर्मचारी के हस्ताक्षर

\*यह स्वयं इस प्रकार भरा जाता चाहिए कि इसके अन्तर्गत उपदान की सारी रकम आ जाए।

\*\*इस स्वयं में दशित उपदान की रकम के अंश के अन्तर्गत मूल नामनिर्देशन/नामनिर्देशनियों को संदेय सारी रकम/सारा अंश आ जाना/जाना चाहिए।

(नौवहन विकास निधि समिति के सचिवालय द्वारा भरा जाए)

द्वारा नामनिर्देशन सचिव/प्रशासन  
पदनाम अधिकारी के हस्ताक्षर  
कार्यालय तारीख  
पदनाम

नौवहन विकास निधि समिति के सचिवालय द्वारा नामनिर्देशन-प्रारूप की प्राप्ति अभिलेखीकृत करने के लिए निर्देशन-पत्र

मेवा में,  
महोदय,

आपके नामनिर्देशन तारीख ...../प्रारूप में उपदान की बाबत पहले किए गए नामनिर्देशन तारीख के रद्दकरण की प्राप्ति अभिलेखीकृत करने हुए मुझे यह कहना है कि इसे सम्यक्तः अभिलेख में रख लिया गया है।

स्थान

तारीख

सचिव/प्रशासन अधिकारी  
के हस्ताक्षर  
(पदनाम)

टिप्पण:—कर्मचारी को यह सलाह दी जाती है कि उसके नामनिर्देशनियों के हित में यह होगा कि नामनिर्देशनों की प्रतियाँ और संबंधित सूचनाएं तथा अभिलेखीकृतियाँ निरापद अभिरक्षा में रखी जाएं ताकि वे उसकी मृत्यु होने की दशा में हितधिकारियों के कब्जे में आ जाएं।

[सं० एम० डी० 60/76-एम० डी०]

इन्द्रजीत मुरगई, अवर सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 2nd May, 1977

**G.S.R. 674.**—In exercise of the powers conferred by Clause (d) of sub-section (2) of section 19, read with section 458, of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

### CHAPTER I

#### PRELIMINARY

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Shipping Development Fund Committee (Death-cum-Retirement Gratuity) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to full-time employees of the Shipping Development Fund Committee (including those absorbed in public interest) but shall not apply to :—

- (i) casual and non-regular employees ;
- (ii) Government servants and others employed on deputation terms ;
- (iii) employees on contract basis ;
- (iv) employees on daily wages ; and
- (v) re-employed persons.



3. Definitions : In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Accounts Officer" means the Accounts Officer of the Committee ;
- (b) "Chairman" means the Chairman of the Committee;
- (c) "Child" means a child of the employee who, if a son, is under eighteen years of age and if a daughter, is unmarried and is under twenty-one years of age and the expression "children" shall be construed accordingly.
- (d) "Committee" means the Shipping Development Fund Committee constituted under section 15 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) ;
- (e) "emoluments" means emoluments defined in rule 15;
- (f) "Form" means a Form appended to these rules ;
- (g) "Government" means the Central Government ;
- (h) "minor" means a person who has not completed the age of eighteen years ;
- (i) "qualifying service" means service rendered while on duty in the employ of the Committee but shall not include extra-ordinary leave granted to an employee except under conditions specified in rule 8 ;
- (j) "Secretary" means the Secretary of the Committee ;
- (k) words and expressions used herein and not defined but defined in the Fundamental Rules have the meanings respectively assigned to them in those Rules.

## CHAPTER II GENERAL CONDITIONS

4. Regulation of claims to death-cum-retirement gratuity. Death-cum-Retirement gratuity shall be regulated by the provisions of these rules in force at the time when an employee retires or is retired or is discharged or is allowed to resign from service or dies, as the case may be.

5. Full Death-cum-Retirement Gratuity subject to approved service.—

(1) Full death-cum-retirement gratuity admissible under rule 17 shall not be sanctioned to an employee unless the service rendered by that employee has been approved by the Chairman as satisfactory.

(2) If such service has not been satisfactory, the Chairman may make such reduction in the amount of the death-cum-retirement gratuity, as the Chairman may think proper.

(3) The Chairman reserves to himself the right of withholding death-cum-retirement gratuity or a part thereof, whether permanently or for a specified period, and or ordering recovery from a death-cum-retirement gratuity of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Committee, if in any departmental or judicial proceedings the employee is found guilty of grave misconduct or negligence during the period of his service.

## CHAPTER III QUALIFYING SERVICE

6. Commencement of qualifying service.—Qualifying service of an employee shall commence from the date he takes charge of the post to which he is first appointed by the Committee.

7. Condition subject to which service qualifies.—

(1) The service of an employee shall not qualify unless his duties and pay are regulated by the Committee or under conditions determined by the Committee.

(2) For the purposes of sub-rule (1) the expression 'service' means service under the Committee and paid by the Committee from the Shipping Development Fund.

27G/77—6

8. Counting of periods spent on leave.—All leave during which leave salary is payable shall count as qualifying service.

Provided that in the case of extraordinary leave, the Secretary or the Chairman may, at the time or granting such leave, allow the period of that leave to count as qualifying service if such leave is granted to an employee—

- (a) on medical certificate; or
- (ii) due to his inability to join or rejoin duty on account of civil commotion.

9. Counting of periods of suspension.—Time passed by an employee under suspension pending enquiry into conduct shall count as qualifying service where, on conclusion of such enquiry, he has been fully exonerated or the suspension is held to be wholly unjustified; in other cases, the period of suspension shall not count unless the authority competent to pass orders expressly declares at the time that it shall count to such extent as that authority may declare.

10. Forfeiture of service on dismissal.—Dismissal or removal of an employee from service under the Committee shall entail forfeiture of his past service.

11. Counting of past Service on reinstatement.—(1) An employee who is dismissed, removed or compulsorily retired from service under the Committee, but is reinstated on appeal or review, shall be entitled to count his past service as qualifying service.

(2) The period of interruption in service under the Committee between the date of dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of reinstatement, and the period of suspension, if any, shall not count as qualifying service unless regularised as duty or leave by a specific order of the authority which passed the order of reinstatement.

12. Effects of Interruption in Service.—(1) An interruption in the service of an employee shall entail forfeiture of his past service except in the following cases, namely :

- (a) authorised leave of absence;
- (b) unauthorised absence in continuation of authorised leave of absence so long as the post of absentee is not filled ;
- (c) suspension, where it is immediately followed by reinstatement, whether in the same or different post, or where the employee dies or is permitted to retire or is retired on attaining the age of compulsory retirement while under suspension ;
- (d) joining time while on transfer from one to another.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Chairman may, by order, commute retrospectively the periods of absence without leave as extra-ordinary leave.

13. Condonation of Interruption in Service.—(1) The Committee may condone interruptions in the service of an employee :

Provided that—

- (i) the interruption have been caused by reasons beyond the control of the employee;
- (ii) the total service excluding one or more interruptions, if any, is not less than five years' duration; and
- (iii) the interruption, including two or more interruptions, if any, does not exceed one year.

(2) The period of interruption under sub-rule (1) shall not count as qualifying service.

14. Verification of Qualifying Service.—Accounts Officer shall, in accordance with rules of the Government for the time being in force, verify the service rendered by an employee and determine the qualifying service.

## CHAPTER IV

### EMOLUMENTS AND AVERAGE EMOLUMENTS

15. Emoluments.—The expression "emoluments" means the amount which an employee was receiving before his retirement or on the date of his death at monthly rates as ;

- (i) the pay, other than special pay or pay granted in view of his personal qualifications which has been sanctioned for a post held by him substantively or in an officiating capacity or to which he is entitled by reason of his position in a cadre, and
- (ii) special pay and personal pay, and
- (iii) any other emoluments which may be specially classed as "emoluments" by the Committee.

Note : 1.—If an employee immediately before his retirement or death while in service had been absent from duty on leave for which leave salary is payable or having been reinstated without forfeiture of service, the emoluments which he would have drawn had he not been absent from duty or suspended shall be the emoluments for the purposes of this rule :

Provided that any increase in pay (other than the increment referred to in Note 4) which is not drawn shall not form part of his emoluments.

Note 2.—Where an employee immediately before his retirement or death while in service had proceeded on leave for which leave salary is payable after having held a higher appointment whether in an officiating or temporary capacity, the benefit of emoluments drawn in such higher appointment shall be given if it is certified that the employee would have continued to hold the higher appointment but for his proceeding on leave.

Note 3.—If an employee immediately before his retirement or death while in service has been absent from duty on extra-ordinary leave, or had been under suspension the period whereof does not count as service, the emoluments which he drew immediately before proceeding on such leave or being placed under suspension shall be the emoluments for the purposes of this rule.

Note 4.—If an employee immediately before his retirement or death while in service was on earned leave, and earned an increment, which was not withheld during the currency of the earned leave not exceeding one hundred and twenty days, or during the first one hundred and twenty days of earned leave exceeding one hundred and twenty days, such increment, though not actually drawn, shall form part of his emoluments.

16. Average Emoluments.—Average emoluments shall be determined with reference to the emoluments drawn by an employee during the last ten complete months of his service.

Note 1.—If during the last ten complete months of his service, an employee had been absent from duty on leave for which leave salary is payable or having been suspended had been reinstated without forfeiture of service the emoluments which he would have drawn had he not been absent from duty or suspended shall be taken into account for determining the average emoluments :

Provided that any increase in pay (other than increment referred to in Note 3) which is not actually drawn shall not form part of his emoluments.

Note 2.—If during the last ten complete months of his service, an employee had been absent from duty on extra-ordinary leave, or had been under suspension the period whereof does not count as service, the aforesaid period of leave or suspension shall be disregarded in the calculation of the average emoluments and equal period before the ten complete months shall be included.

Note 3.—In the case of an employee who was on earned leave during the last ten complete months of service and earned an increment, which was not withheld, during the currency of the earned leave not exceeding one hundred and twenty days or during the first one hundred and twenty days of earned leave exceeding one hundred and twenty days, such increment, though not actually drawn, shall be included in the average emoluments.

## CHAPTER V

### DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

17. (1) An employee who has completed five years' qualifying service shall on his retirement or on discharge or on his

being allowed to resign be granted death-cum-retirement gratuity equal to one-fourth of the emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 16½ times the emoluments :

Provided that the amount of death-cum-retirement gratuity payable under this rule shall, in no case exceed thirty thousand rupees.

(2) If an employee dies while in service after completing five years' qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to 12 times of his emoluments or the amount determined under sub-rule (1), whichever is higher, and it shall be paid to his family in the manner indicated in rule 18.

(3) (a) If an employee dies in the first year of qualifying service, a death-cum-retirement gratuity equal to two times of his emoluments at the time of his death shall be paid to his family in the manner indicated in sub-rule (1) of rule 18;

(b) If an employee dies after completion of one year of qualifying service but before completing five years of qualifying service, the amount of death-cum-retirement gratuity shall be equal to six times of his emoluments.

(4) No recovery shall be made out of the death-cum-retirement gratuity payable to an employee, who at the time of the death, while in service or at the time of retirement, was an unmarried employee or a widower or a widow and had no child or children including legally adopted children.

(5) The emoluments for the purpose of death-cum-retirement gratuity shall be subject to a maximum of one thousand eight hundred rupees per mensem and shall be reckoned in accordance with rule 15 :

Provided that if the emoluments of an employee have been reduced during the last ten months of his service otherwise than as penalty, average emoluments, as referred to in rule 16 may, at the discretion of the Chairman, be treated as emoluments.

(6) For the purpose of this rule, 'family' in relation to an employee means—

- (i) wife or wives, in the case of male employee ;
- (ii) husband, in the case of a female employee ;
- (iii) sons including step sons and adopted sons ;
- (iv) unmarried daughters including step daughters and adopted daughters ;
- (v) widowed daughters including step daughters and adopted daughters ;
- (vi) father } including adoption partners in the case of
- (vii) mother } individuals whose personal law permits of adoption ;
- (viii) brothers below the age of eighteen years including step brothers ;
- (ix) unmarried sisters and widowed sisters including step sisters ;
- (x) married daughters ; and
- (xi) children of pre-deceased son.

18. Persons to whom Gratuity is payable.—

(1) (a) The gratuity under rule 17 shall be paid to the person or persons on whom the right to receive the gratuity is conferred by means of a nomination under the rule 20 ;

(b) If there is no such nomination or if the nomination made does not subsist, the gratuity shall be paid in the manner indicated below :

- (i) If there are one or more surviving members of the family as in clauses (i), (ii), (iii) and (iv) of sub-rule (6) of rule 17 to all such members in equal shares ;

- (ii) if there are no surviving members of the family as in sub-clause (i), but there are one or more members as in clauses (v), (vi), (vii), (viii), (ix), (x) and (xi) of sub-rule (6) of rule 17 to all such members in equal shares.

(2) The right of a female member of the family, or that of a brother, of an employee who dies while in service or after retirement to receive the share of gratuity shall not be affected if the female member marries or re-marries or the brother attains the age of eighteen years, after the death of the employee and before receiving her or his share of the gratuity.

(3) Where gratuity is granted under rule 17 to a minor member of the family of the deceased employees, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

**19. LAPSE OF DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY**—Where an employee dies while in service or after retirement without receiving the amount of gratuity, and (a) leaves behind no family; (b) has made no nomination; or (c) the nomination made by him does not subsist; the amount of death-cum-retirement gratuity payable to him under rule 17 shall lapse to the Committee.

**20. NOMINATIONS**—(i) An employee shall make a nomination in Form 1 or Form 2, as may be appropriate in the circumstances of the case, conferring on one or more persons, the right to receive the death-cum-retirement gratuity payable under rule 17 :

Provided that if at the time of making the nomination—

- (i) the employee has no family, the nomination may be made in favour of a person or persons or a body of individuals, whether incorporated or not;
- (ii) the employee has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his family.

(2) If an employee nominates more than one person under sub-rule (1), he shall specify in the nomination the amount of share payable to each of the nominees in such manner as to cover the entire amount of gratuity.

(3) An employee may provide in the nomination—

- (i) that in respect of any specified nominee who predeceases the employee, or who dies after the death of the employee but before receiving the payment of the gratuity, the right conferred on that nominee shall pass to such other person as may be specified in the nomination :

Provided that if at the time of making nomination the employee has a family consisting of more than one member, the person so specified shall not be a person other than a member of his family :

Provided further that where an employee has only one member in his family and a nomination has been made in his favour, it is open to the employee to nominate alternate nominee or nominees in favour of any person or a body of individuals, whether incorporated or not;

- (ii) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of the contingency provided therein.

(4) The nomination made by an employee who has no family at the time of making it, or the nomination made by an employee under the second proviso to clause (i) of sub-rule (3) where he has only one member in his family shall become invalid in the event of the employee subsequently acquiring family, or an additional member in the family, as the case may be.

(5) An employee may, at any time, cancel a nomination by sending a notice in writing to the Secretary :

Provided that he shall, along with such notice, send a fresh nomination made in accordance with this rule.

(6) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (i) of sub-rule (3) or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (ii) of that sub-rule, the employee shall send to the Secretary a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination in accordance with this rule.

(7)(a) Every nomination made (including every notice of cancellation, if any, given) by an employee under this rule shall be sent to the Secretary.

(b) The Secretary shall, immediately on receipt of the nomination referred to in clause (a), counter-sign it indicating the date of receipt and keep it under his custody.

(c) The Secretary may authorise Administrative Officer to counter-sign the nomination forms of employees who are not in the rank of officers.

(d) Suitable entry regarding receipt of nomination shall be made in the service book of the employee.

(8) Every nomination made, and every notice of cancellation given by an employee shall, to the extent that it is valid, take effect from the date on which it is received by the authority mentioned in sub-rule (7).

## 21. INTERPRETATION—

If any question arises relating to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government for its decision, who shall decide the same.

### FORM 1

(See Rule 20)

#### NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

When the employee has a family and wishes to nominate one member or more than one member, thereof, I, \_\_\_\_\_ hereby nominate the person/persons mentioned below who is/are member(s) of my family, and confer on him/them the right to receive to the extent specified below, any gratuity that may be sanctioned by the Shipping Development Fund Committee in the event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death :—

Original nominee(s)				Alternate nominee(s)	
Name and address of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount of share of gratuity payable to each*	Name, address, relationship and age of person or persons if any, to whom the right conferred on the nominee shall pass, in the event of the nominee predeceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.	Amount of share of gratuity payable to each**

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on \_\_\_\_\_ which stands cancelled.

Note : (i) The employees shall draw lines across the blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed.

(ii) Strike out which is not applicable.

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 197 at \_\_\_\_\_

Witnesses to signature

1.

2.

Signature of employee

\* This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

\*\* The amount/share of the gratuity shown in this column should cover the whole amount/share payable to the original nominee(s).

(To be filled by the Shipping Development Fund Committee Secretariat)

Nomination by \_\_\_\_\_

Signature of Secretary/Administrative Officer

Designation \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

Office \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM  
BY THE SHIPPING DEVELOPMENT FUND COMMITTEE SECRETARIAT

To \_\_\_\_\_

Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination dated the \_\_\_\_\_/cancellation dated the \_\_\_\_\_ of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form \_\_\_\_\_. I am to state that it has been duly placed on record.

Signature of Secretary/Amdn. Officer.

Place : \_\_\_\_\_

Dated : \_\_\_\_\_

NOTE :—The employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nominations and the related notices and acknowledgements are kept in safe custody so that they come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

FORM 2

(See Rule 20)

NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

When the employee has no family and wishes to nominate one person or more than one person.

I \_\_\_\_\_, having no family hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/them the right to receive, to the extent specified below, any gratuity that may be sanctioned by the Shipping Development Fund Committee in the event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death.

Original nominee(s)				Alternate nominee(s)	
Name and address of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount of share of gratuity payable to each*	Name, address, relationship and age of the person or persons, if any, to whom the right conferred on the nominee, predeceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.	Amount of share of gratuity payable to each**.
1	2	3	4	5	6

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on \_\_\_\_\_ which stands cancelled.

NOTE : (i) The employee should draw lines across blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after the has signed.

(ii) Strike out which is not applicable.

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 197 at \_\_\_\_\_

Witnesses to signature :

1.

2.

Signature of the employee.

\* This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

\*\* The amount/share of the gratuity shown in this column should cover whole amount/share payable to the original nominee(s).

## (TO BE FILLED BY THE SHIPPING DEVELOPMENT FUND COMMITTEE, SECRETARIAT)

Nomination by \_\_\_\_\_  
 Designation \_\_\_\_\_  
 Office \_\_\_\_\_

Signature of Secretary/Administrative Officer \_\_\_\_\_  
 Date: \_\_\_\_\_  
 Designation \_\_\_\_\_

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FROM  
 THE SHIPPING DEVELOPMENT FUND COMMITTEE SECRETARIAT

To \_\_\_\_\_

Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination dated the \_\_\_\_\_/cancellation dated the \_\_\_\_\_ of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form \_\_\_\_\_, I am to state that it has been duly placed on record.

Signature of Secretary Admn. Officer.

Place : \_\_\_\_\_

Date : \_\_\_\_\_

NOTE :—The employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nominations and the related notices and acknowledgements are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

[No. MSD-60/76-24]

INDERJIT MURGAJ, Under Secy.

## रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1977

सं. का. नि. 675.—आद्यात्म अप्रतिमता नियंत्रण अधिनियम 1954 (1954 का 37) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की 5 जुलाई, 1973 की अधिसूचना सं. 69/एच०/10/1, जो 18 अगस्त, 1973 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3 उपखण्ड (I) पृष्ठ (1667) में जी० एम० आर० सं. 903 के रूप में प्रकाशित हुई थी, का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा सभी महायक मण्डल चिकित्सा अधिकारियों/महायक चिकित्सा अधिकारियों और इस प्रयोजन के लिए अर्हता प्राप्त रेलवे के स्वास्थ्य निरीक्षकों को, उनके क्षेत्राधिकार में पड़ने वाले उन सभी रेलवे स्टेशनों या रेलवे स्टेशन भूखंडों (जिसमें रेलवे बस्ती, कार्यालय, याड, मालगोदाम, भानान्तरण पेड, कारखाने तथा अन्य कार्य स्थल जो रेल प्रणाली के स्वायत्त में हो या उनके द्वारा अनुरक्षित हो, उनके प्रयोजन के लिए हो या रेलों में संबंधित हो, शामिल हैं) के लिए स्वस्थ निरीक्षक नियुक्त करता है, जिन्हें उक्त अधिनियम के प्रयोजन से भारत सरकार रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की 11 फरवरी, 1970 की अधिसूचना सं. 69/एच०/10/1(1), द्वारा जो 28 फरवरी, 1970 को जी० एम० आर० सं. 282 के रूप में प्रकाशित की गयी थी, स्थानीय क्षेत्र घोषित किया गया था।

[सं. 76/एच०/10/7(1)]

डा० एस० एस० वर्मा, अपरसदस्य (स्वास्थ्य)

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 30th April, 1977

G.S.R. 675.—In exercise of the powers conferred by subsection (i) of section 9 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. 69/H/10/1 dated the 5th July, 1973, published as G.S.R. No. 903 in the Gazette

of India—Part II Section 3—Sub-section (i) dated the 18th August, 1973 (page 1667) the Central Government hereby appoints all Assistant Divisional Medical Officers/Assistant Medical Officers and Health Inspectors of the Railways qualified for the purpose to be Food Inspectors within their respective jurisdiction in respect of all Railway stations or groups of Railway stations (including any railway colony, office, yard, goods shed, transshipment shed, workshop and other works owned or maintained by the Railway Administration for the purpose of or in connection with the Railways) declared as local areas for the purposes of the said Act by the Notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. 69/H/10/1(i) dated the 11th February 1970 published as G.S.R. No. 282 dated the 28th February, 1970.

[No. 76/H/10/7(1)]

Dr. S. S. VERMA, Addl. Member (Health)

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 मई, 1977

सं. का. नि. 676.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, छिद्रण कर्मचारिवृन्द (श्रम व्यूंग) भर्ती नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

1. (1) इन नियमों का नाम छिद्रण कर्मचारिवृन्द (श्रम व्यूंग) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के प्रवृत्त होंगे।

2. छिद्रण कर्मचारिवृन्द (श्रम व्यूंग) भर्ती नियम, 1967 में—

(क) नियम 4 के परन्तुक का लोप किया जाएगा,

(ख) उक्त नियमों की अनुसूची में "छिद्रण पदों के सत्यापनकर्ता पर्यक्षक" के पदों के सामने स्तंभ 10 में जो विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, प्रविष्टि "शतप्रतिशत प्रोन्नति द्वारा" रखी जाएगी।

[सं. ए-12018/11/74-एल.बी.]

आर. एस. देशपांडे, उप सच.

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th May, 1977

G.S.R. 676.—In exercise of the powers conferred the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend Punching Staff (Labour Bureau) Recruitment Rules.

1. (1) These rules may be called the Punching Staff (Labour Bureau) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Punching Staff (Labour Bureau), Recruitment Rules, 1967,—

(a) the proviso to Rule 4 shall be deleted,

(b) in the Schedule attached to the said rules against the posts "Punch Supervisor/Verifier Supervisor" for the existing entry under column 10, the entry "100 per cent by promotion" shall be substituted.

[No. A-12018/11/74-LB]

R. S. DESHPANDE, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 मई, 1977

सा.का.नि. 677.—केंद्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 7 की उपधारा (1) के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है। अर्थात् :—

1. इस स्कीम का नाम कर्मचारी भविष्य निधि (वर्तुर्ध संशोधन) स्कीम, 1977 है।
2. कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 1 में, उप-पैरा (3) के खण्ड (ख) में उपखण्ड (LXXXII) के पश्चात् निम्नलिखित उपखण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(LXXXIII) बीड़ी उद्योग, अर्थात् :—

भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सा. का. नि. 660 तारीख 17 मार्च, 1977 में विनिर्दिष्ट बीड़ी विनिर्माण में लगे हुए किसी उद्योग की बाबत 31 मई, 1977 को प्रवृत्त होंगे।”

[सं. 4(9)/66-पी. एफ. II]

एस. एस. साहस्रनामन, उप सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1977

G.S.R. 677.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5, read with sub-section (1) of section 7, of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, namely :—

1. This Scheme may be called the Employees, Provident Funds (Fourth Amendment) Scheme, 1977.
2. In the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, in clause (b) of sub-paragraph (3) of paragraph 1, after sub-clause (LXXXII), the following sub-clause shall be inserted, namely :—

“(LXXXIII) as respects the beedi industry, that is to say, any industry engaged in the manufacture of beedis, specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 660 dated the 17th May, 1977, come into force on the 31st May, 1977”.

[No. 4(9)/66-PF II]

S. S. SAHASRANAMA, Dy. Secy.